भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-302 ● भोपाल ● बुधवार , 4 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक कृष्ण पक्ष 10 ● विक्रम संवत् 2083

आत्म-नियंत्रण जीवन की असली शक्ति है। इसे मजबूत बनाना रोज़ का काम है।

असम के हॉस्टल में दूषित पानी पीने से 52 स्टूडेंट बीमार, टंकी में मरा हुआ बंदर मिलने से हड़कंप!

गुवाहाटी, ईएमएस। असम में गुवाहाटी स्थित असम इंजीनियरिंग कॉलेज के 50 से ज्यादा स्टूडेंट उसके हॉस्टल की टंकी का पानी पीने से बीमार पड़ गए, जिसमें कथित रूप से एक मरा हुआ बंदर मिला था। यह घटना गुवाहाटी के जालुकबारी में स्थित कॉलेज के हॉस्टल नंबर सात की है, जहां दुर्गा पूजा की छुट्टियों से लौटने के बाद से ही स्टूडेंट पानी से बदबू आने की शिकायत कर रहे थे।गवर्मेंट आयुर्वेदिक कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य प्रणवज्योति वैश्य के मुताबिक, पेट दर्द, उल्टी और बुखार की शिकायतों के साथ 52 स्टूडेंट्स को अस्पताल लाया गया था। उन्होंने आगे कहा, चड्डमरजेंसी डिपार्टमेंट में उनकी जांच और इलाज किया गया। 3 स्टूडेंट्स को बेहतर इलाज के लिए अन्य हॉस्पिटल भी भेजा गया था। हालांकि, किसी को भी हॉस्पिटल में एडमिट करने की जरूरत नहीं पड़ी और सभी 52 स्टूडेंट्स की हालत स्थिर है।







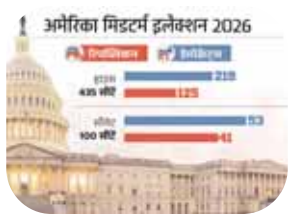


अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में ट्रंप को बड़ा झटका

दोनों सदनों में डेमोक्रेट्स का कब्जा

डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत, पिछले 21 में से 19 चुनावों में राष्ट्रपति की पार्टी हारी

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने ही देश में राजनीतिक झटका लगा है। विदेश में सैन्य कार्रवाई और सख्त नीतियों के जरिए अपनी ताकत दिखाने की कोशिश कर रहे ट्रंप को मध्यावधि चुनाव (मिडटर्म इलेक्शन) में जनता ने बड़ा संदेश दिया है। चुनाव में उनकी रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने संसद के दोनों सदनों- सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में बहुमत हासिल कर लिया है। इस नतीजे के साथ ही अमेरिकी राजनीति का सत्ता संतुलन बदल गया है और ट्रंप प्रशासन के सामने आगामी दो वर्षों में विधायी मोर्चे पर बड़ी चुनौतियां खड़ी होने के आसार हैं।



मिडटर्म चुनाव के नतीजों को ट्रंप सरकार के दो साल के कामकाज, विदेश नीति, आर्थिक फैसलों और ईरान के साथ जारी युद्ध के प्रति जनता की प्रतिक्रिया के तौर पर देखा जा रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि रिपब्लिकन पार्टी के खराब प्रदर्शन के पीछे ईरान युद्ध एक कारण हो सकता है। चुनाव परिणामों ने साफ कर दिया है कि राष्ट्रपति की लोकप्रियता और उनकी नीतियों को लेकर मतदाताओं में असंतोष बढ़ा है। खास बात यह रही कि डेमोक्रेट्स ने उन राज्यों और क्षेत्रों में भी जीत दर्ज की, जिन्हें दशकों से रिपब्लिकन पार्टी का अभेद्य किला माना जाता रहा है।

मैं मैदान में होता तो भारी बहुमत से जीतते -ट्रंप

चुनाव में पार्टी की हार के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिक्रिया में खुद को नतीजों से अलग रखने की कोशिश की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यदि वह खुद चुनाव मैदान में होते तो रिपब्लिकन पार्टी भारी बहुमत से जीत हासिल करती। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है और वह आगे की ओर देख रहे हैं। ट्रंप का बयान ऐसे समय आया है, जब चुनावी नतीजों ने उनकी राजनीतिक पकड़ और नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि उन्होंने परिणामों को स्वीकार करने और डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर काम करने की बात भी कही है।

रिपब्लिकन के मजबूत गढ़ों में भी सेंध

इस चुनाव की सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने केवल अपने परंपरागत प्रभाव वाले क्षेत्रों में ही जीत हासिल नहीं की, बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के मजबूत गढ़ों में भी सेंध लगा दी। साउथ कैरोलिना में सीनेट सीट पर जीत को बड़ी राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप यहां 18 प्रतिशत अंकों के अंतर से आगे रहे थे। इसके अलावा टेक्सास में भी डेमोक्रेट्स की सफलता ने रिपब्लिकन खेमे को चौंका दिया। यहां वर्ष 1994 के बाद राज्य स्तर पर डेमोक्रेटिक पार्टी को बड़ी सफलता नहीं मिली थी। कंसास में भी डेमोक्रेट्स ने इतिहास रचते हुए जीत दर्ज की, जहां 1932 के बाद से कोई डेमोक्रेट सीनेटर निर्वाचित नहीं हुआ था।

सीनेट और प्रतिनिधि सभा में विपक्ष मजबूत

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बढ़त ने ट्रंप प्रशासन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सीनेट की कुल 100 सीटों में से 35 पर चुनाव हुए थे। नतीजों के बाद डेमोक्रेट्स के पास 52 सीटें हो गई हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 41 सीटों पर सिमट गई है। दूसरी ओर, प्रतिनिधि सभा की सभी 435 सीटों पर चुनाव हुए। यहां डेमोक्रेटिक पार्टी ने 218 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया, जबकि रिपब्लिकन पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। गवर्नर पदों के चुनाव में भी डेमोक्रेट्स ने बेहतर प्रदर्शन किया। 26 राज्यों के घोषित परिणामों में 17 सीटों पर डेमोक्रेटिक और 9 पर रिपब्लिकन उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की।

भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी लहराया परचम

मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के उम्मीदवारों ने भी अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई। फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेसनल जिले से डेमोक्रेटिक उम्मीदवार पिया डांडिया ने जीत हासिल कर प्रतिनिधि सभा में जगह बनाई। वहीं वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल जिले से सुहास सुब्रमण्यम दोबारा निर्वाचित हुए। इन सफलताओं को अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के समुदाय की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव के तौर पर देखा जा रहा है।

भारत का महापर्व दीपावली 8 नवंबर को

दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं, पांच दिनों का महापर्व है

भाई दो 11 नवंबर उदया तिथि अनुसार

अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास ने बताए धनतेरस से भाई दूज तक के शुभ मुहूर्त और पौराणिक रहस्य





जबलपुर, यशभारत। दीपावली को लेकर जनमानस में अक्सर भ्रम रहता है कि यह केवल एक दिन का पर्व है। इस भ्रम को दूर करते हुए अरुणोदय पंचांग के प्रसिद्ध, प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास जी ने बताया कि दीपावली सनातन धर्म का सबसे बड़ा और प्रमुख महापर्व है जो पांच दिनों तक मनाया जाता है।

पंडित व्यास जी के अनुसार दीपावली के 5 दिन

1. धनतेरस (6 नवम्बर, शुक्रवार) – इस दिन 10 बजकर 46 मिनट से शुभ मुहूर्त रहेगा। भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा के साथ सोना, चांदी, जेवर, बर्तन और झाड़ू खरीदना अक्षय फलदायी होता है। सायंकाल धन लक्ष्मी पूजन होता है। इसी दिन अकाल मृत्यु निवारण हेतु यम दीपदान का विशेष महत्व है। घर के बाहर चार बत्तियों वाला तेल का दीपक यमराज के निमित्त रखना चाहिए।

2. नरक चतुर्दशी (छोटी दिवाली) - यमराज के नाम का दीया निकाला जाता है। रूप चौदस के रूप में सौंदर्य और स्वच्छता पर ध्यान दिया जाता है।

3. दीपावली (8 नवम्बर, रविवार) - मुख्य पर्व। प्रदोष व्यापिनी अमावस्या में लक्ष्मी पूजन शास्त्र सम्मत है। इस वर्ष दिन 10:13 से पूजन मुहूर्त प्रारंभ होकर पूरी रात चलेगा। **व्यापारियों** के लिए दोपहर 1:30 से 3:15 तक स्थिर लग्न, शाम 6 से रात 8:10 तक स्थिर वृषभ लग्न का उत्तम मुहूर्त और रात 10:10 से 12:35 तक निशीथ काल तांत्रिक जप के लिए विशेष शुभ रहेगा।

4. गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) – भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र का मानमर्दन कर गोवर्धन पर्वत उंगली पर उठाने की लीला की याद में प्रकृति और गायों की पूजा।

5. भाई दूज (यम द्वितीया) - भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक। बहनें भाई के माथे पर तिलक कर लंबी उम्र की कामना करती हैं।पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पं. व्यास जी ने बताया:- श्रीराम आगमनः त्रेतायुग में भगवान श्रीराम, सीता और लक्ष्मण 14 वर्ष वनवास और रावण वध के बाद इसी दिन अयोध्या लौटे थे। अयोध्यावासियों ने घी के दीयों से पूरी नगरी रोशन की थी।- माता लक्ष्मी प्राकट्यः समुद्र मंथन के दौरान कार्तिक अमावस्या को ही धन और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था।- कृष्ण विजयः द्वापर में भगवान कृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध कर प्रजा को उसके आतंक से मुक्ति दिलाई थी।धन लक्ष्मी प्राप्ति मंत्रः पं. व्यास जी ने बताया कि ॥ ? ह्रीं महालक्ष्म्यै च विद्महे, विष्णुपत्न्यै च धीमहि तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात॥ मंत्र का जाप, खीर, पंचामृत, कमलगट्टा, वैजयन्ती से हवन और श्रीसूक्त पाठ करने से लक्ष्मी प्राप्ति होती है।

चक्रवात मुरासु कमजोर पड़ा आंध्र-तेलंगाना और छत्तीसगढ़ में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली में छाएगी धुंध

नई दिल्ली ,यशभारत। बंगाल की खाड़ी में उठा चक्रवाती तूफान मुरासु तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद तेजी से कमजोर पड़ गया है। यह डीप डिप्रेशन में तब्दील होने के बाद अब डिप्रेशन में बदलने की ओर बढ़ रहा है। हालांकि तूफान की तीव्रता कम होने के बावजूद आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग ने 4 नवंबर को भी कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय धुंध छाने और दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, मुरासु 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश से टकराने के बाद जमीन के ऊपर आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से तूफान की ताकत लगातार कम हो रही है। 4 नवंबर की सुबह तक इसके डिप्रेशन में बदलने का अनुमान है। इस दौरान तूफान के केंद्र के आसपास हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे रहने और झोंकों के साथ 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। इसके बाद हवा की गति में भी लगातार कमी आएगी।

रिश्तों का कत्ल! जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को जिंदा जलाया

घरेलू कलह और ज़मीन के विवाद में देवरानी ने उठाया खौफनाक कदम

सागर, यशभारत । बीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गोदना में सोमवार देर शाम पारिवारिक रंजिश और ज़मीन के विवाद ने एक खौफनाक रूप ले लिया। आरोप है कि घरेलू कलह के चलते देवरानी ने अपनी ही जेठानी और 13 वर्षीय भतीजी को आग के हवाले कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना में गंभीर रूप से घायल 35 वर्षीय गिरजाबाई ठाकुर को तुरंत बीना से लाकर सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहीं, उनकी 13 वर्षीय बेटी की नाजुक हालत को देखते हुए उसे बेहतर और उच्च स्तरीय उपचार के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

क्या है मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवार में लंबे समय से घरेलू कलह और ज़मीन के बंटवारे को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार शाम यह विवाद इतना बढ़ गया कि देवर आकाश की पत्नी (देवरानी) काजल गोस्वामी ने कथित तौर पर गिरजाबाई और उनकी नाबालिग बेटी पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी। इतना ही नहीं, दोनों को आग की लपटों में घिरा छोड़कर कमरे का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। मां-बेटी की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को उपचार के लिए बीना सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल है। बीना थाना प्रभारी अनूप सिंह यादव ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस की एक विशेष टीम बच्ची के बयान दर्ज करने के लिए भोपाल (हमीदिया अस्पताल) रवाना हो चुकी है। थाना प्रभारी के अनुसार, पीड़िता के बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पारिवारिक कलह और जमीन विवाद सहित घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। हालांकि, फिलहाल आग लगाने के आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।



गुवाहाटी फायरिंग मामले में एनकाउंटर के बाद आरोपी ढेर! सब-इंस्पेक्टर की सर्विस पिस्तौल छीनने की हुई थी कोशिश

गुवाहाटी , एजेंसी। गुवाहाटी के उलुबारी इलाके में होटल बिलास इन के पास हुई गोलीबारी में पांच लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस एनकाउंटर में आरोपी घनकांत गोगोई की मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पापोरि चेतिया ने बुधवार को बताया कि असम के शिवसागर जिले में उसे ले जाते समय उसने एक पुलिस अधिकारी की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उस पर गोली चला दी। एसएसपी के अनुसार, गोगोई को शिवसागर पुलिस स्टेशन के केस नंबर-108/26 के सिलसिले में गुवाहाटी से शिवसागर लाया जा रहा था। इसी दौरान उसने फूलपानीचिगा में शौच के लिए पुलिस वाहन से बाहर निकलने की गुजारिश की।स्स्कने बताया कि जैसे ही गोगोई वाहन से बाहर निकला, उसने सब-इंस्पेक्टर देबाशीष शर्मा की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की। देबाशीष शर्मा इस मामले के जांच अधिकारी भी थे। उन्होंने आगे बताया कि गाड़ी से बाहर निकलते समय हमारे अधिकारी की सर्विस पिस्तौल छीनने की कोशिश की। पुलिस ने यहा भी कहा कि वह एक ट्रेंड प्रोफेशनल शूटर है। उन्होंने बताया कि हाथापाई के दौरान दो-तीन राउंड फायरिंग हुई, जिसमें से दो गोलियां पुलिस की गाड़ी पर लगीं। अधिकारी को और चोट लगने या उन पर हमला होने से बचाने के लिए, टीम के साथ मौजूद एक पुलिसकर्मी ने अपनी सर्विस गन से जवाबी फायरिंग की। एसएसपी ने बताया कि इस फायरिंग में गोगोई घायल हो गया और अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

श्रीनगर के बेमिना में आग लगी, 2 की मौत; 80 घर जले

श्रीनगर, ईएमएस। श्रीनगर के बेमिना के दुर्बल इलाके में मंगलवार देर रात आग लग गई। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और करीब 80 अस्थायी घर जल गए। आग से एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर भी क्षतिग्रस्त हो गया। दमकल विभाग, पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाई।

राजस्थान में ट्रेन उड़ाने की साजिश! पैसेंजर ट्रेन

गुजरने के 45 मिनट बाद रेलवे ट्रैक पर भीषण धमाका

पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका, दो स्लीपर टूटे, पटरी के नीचे दो फीट गहरा गड्ढा; एटीएस, आईबी और बम निरोधक दस्ते ने संभाली जांच, चार ट्रेनें रद्द

अनूपगढ़ (श्रीगंगानगर)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक मंगलवार रात रेलवे ट्रैक पर हुए भीषण विस्फोट ने सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मचा दिया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ रेलखंड पर 50 जीबी गांव के पास रात करीब 9:45 बजे हुए धमाके से रेलवे पटरी के नीचे करीब दो फीट गहरा गड्ढा बन गया और सीमेंट के दो स्लीपर क्षतिग्रस्त हो गए। चौंकाने वाली बात यह रही कि इसी ट्रैक से रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजर चुकी थी। यानी ट्रेन के सुरक्षित निकलने के करीब 45 मिनट बाद विस्फोट हुआ। यदि धमाका ट्रेन के गुजरने के दौरान होता तो बड़ा रेल हादसा हो सकता था। पाकिस्तानी नेटवर्क की आशंका के बीच एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते ने जांच शुरू कर दी है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने चार ट्रेनें रद्द कर दीं।



धमाके से दो स्लीपर टूटे, 200 मीटर तक सुनाई दी आवाज

विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज करीब 200 मीटर दूर तक सुनाई दी। आसपास की ढाणियों में रहने वाले ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो रेलवे लाइन क्षतिग्रस्त मिली। इसके बाद रामसिंहपुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। शुरुआती निरीक्षण में पटरी के नीचे गहरा गड्ढा, टूटे स्लीपर और आसपास बिखरी कंक्रीट सामग्री मिली। रेलवे की तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एटीएस, आईबी, सीआईडी, एफएसएल और बम निरोधक दस्ते की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। एफएसएल विशेषज्ञों ने जरूरी साक्ष्य जुटाए। जांच एजेंसियां विस्फोट की प्रकृति, इस्तेमाल की गई सामग्री और संभावित साजिश के पहलुओं की पड़ताल कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के मुताबिक मामले की जांच जारी है। फिलहाल विस्फोट के पीछे जिम्मेदार लोगों और उनके मकसद का खुलासा नहीं हुआ है।

ड्रोन से विस्फोटक मंगाने वाले नेटवर्क पर भी नजर

जांच के दौरान पाकिस्तान से जुड़े हथियार और विस्फोटक तस्करी नेटवर्क की गतिविधियां भी चर्चा में हैं। जानकारी के मुताबिक कुलवंत सिंह नामक आरोपी ने कथित तौर पर 12 अक्टूबर की रात रावला सीमा के पास ड्रोन के जरिए तीन खेपों में हथियार और विस्फोटक मंगवाए थे। इनमें करीब 7.750 किलो विस्फोटक, दो जिगाना पिस्तौल, चार मैगजीन, 650 से अधिक कारतूस और रिमोट शामिल होने की बात सामने आई है। पंजाब पुलिस कुलवंत सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि, रेलवे ट्रैक विस्फोट में उसकी भूमिका या इस नेटवर्क से सीधे संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है। सुरक्षा के मद्देनजर रेलवे ने बुधवार सुबह 9 बजे तक इस रेलखंड पर परिचालन बंद रखने का निर्णय लिया। इसके चलते चार ट्रेनें रद्द कर दी गईं। रेलवे की तकनीकी टीमें क्षतिग्रस्त ट्रैक की जांच और मरम्मत में जुटी हैं। सुरक्षा परीक्षण पूरा होने के बाद ही यातायात बहाल किया जाएगा। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या पैसेंजर ट्रेन को निशाना बनाकर बड़े रेल हादसे की साजिश रची गई थी।

अवैध शराब के खिलाफ हाईलेवल मीटिंग सीएम ने कहा- नेटवर्क ध्वस्त करो

भोपाल, यशभारत। देवास में अवैध शराब पकड़ने के दौरान पुलिस अधिकारी की मौत के मामले में मध्यप्रदेश सरकार ने सख्त रुख अपनाया है।



मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पांच जिलों में फैले अवैध शराब कारोबार के नेटवर्क को ध्वस्त करने और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री निवास पर मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में ड्रग्स माफिया, अवैध शराब कारोबार और संगठित अपराधों के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान की रणनीति भी तय की गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2029 तक ड्रग्स माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई के संकल्प के अनुरूप मध्य प्रदेश में प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। इसके लिए पुलिस को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने और मजबूत मैकेनिज्म तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रदेश ने नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में सफलता हासिल कर निर्धारित समय-सीमा में नक्सलवाद से मुक्ति पाई, उसी तरह ड्रग्स और संगठित अपराधों के खिलाफ भी निर्णायक कार्रवाई की जाएगी। अवैध शराब के परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए पूरे प्रदेश में एक साथ अभियान चलाया जाएगा।

टीआई दिलीप पुरी हत्याकांड: दो आरोपियों का हाफ एनकाउंटर पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश में पैर में लगी गोली

देवास, यशभारत। देवास में टीआई दिलीप पुरी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों का अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट एनकाउंटर किया है। दोनों आरोपियों के दाहिने पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के बाद दोनों ने पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश की और इस दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर हथियार छीन लिए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई। घायल आरोपियों को प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस के मुताबिक, हत्याकांड का मुख्य आरोपी गजेंद्र उर्फ अक्कू राठौर को अलीराजपुर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस टीम उसे लेकर खातेगांव आ रही थी। इसी दौरान रास्ते में पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। पुलिसकर्मी जब टायर बदलने में जुटे थे, तभी आरोपी ने पुलिसकर्मी की बंदूक छीनकर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गजेंद्र के दाहिने पैर के निचले हिस्से में गोली लगी। उसे प्राथमिक उपचार के बाद वैस्कुलर इंटरवेंशन के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल भेजा गया, जहां उसका उपचार जारी है। इसी मामले में दूसरे आरोपी धीरज का भी पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर किया। पुलिस के अनुसार, धीरज पुलिस अभिरक्षा से भागने की कोशिश कर रहा था। उसने पुलिसकर्मी से हथियार छीनकर हमला करने का प्रयास किया। पुलिस ने उसे चेतावनी दी, लेकिन वह नहीं रुका। इसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने गोली चलाई, जो उसके दाहिने पैर में लगी। घायल धीरज को देवास जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत को देखते हुए इंदौर रेफर कर दिया गया। उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। देवास सीएसपी सुमित अग्रवाल के मुताबिक, मुख्य आरोपी गजेंद्र ने गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की थी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में उसे गोली मारी। दूसरे आरोपी के खिलाफ भी पुलिस अभिरक्षा से भागने और पुलिसकर्मी पर हमला करने की स्थिति में कार्रवाई की गई। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 2 करोड़ रिश्वत मांगने का आरोप, केरल सरकार ने दिए जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ करीब 20 साल पुराने कथित रिश्वतखोरी के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। उन पर सड़क निर्माण परियोजना का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले ठेकेदार से 2 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में दावा किया गया है कि जिस समय यह कथित घटना हुई, उस दौरान ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के पद पर पदस्थ थे। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। यह मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (केएसटीपी) के तहत कराए गए सड़क निर्माण कार्य से जुड़ा है। कोल्लम जिले के चदयमंगलम निवासी ठेकेदार साजन ने विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो के निदेशक को लिखित शिकायत देकर आरोपों की जांच की मांग की है।

देश में हर तीसरी मौत सरकारी रिकॉर्ड से गायब

महिलाओं का पंजीकरण सबसे कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में होने वाली हर तीसरी मौत सरकारी रिकॉर्ड से बाहर रह जाती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल मौतों में से केवल 70.8 प्रतिशत का ही पंजीकरण हो पा रहा है। इसमें भी महिलाओं की स्थिति पुरुषों से ज्यादा खराब है। पुरुषों की 73 प्रतिशत मौतें दर्ज हुईं, जबकि महिलाओं के मामले में यह आंकड़ा महज 64 प्रतिशत रहा। जिलावार आंकड़ों के विश्लेषण में सामने आया कि देश के 707 जिलों में से 122 जिलों में महिलाओं की 40 प्रतिशत से भी कम मौतें सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज हुईं। यानी इन जिलों में महिलाओं की 60 प्रतिशत से अधिक मौतों का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।



बिहार-झारखंड में हालात सबसे चिंताजनक

महिलाओं की मृत्यु के पंजीकरण में बिहार और झारखंड की स्थिति बेहद खराब है। बिहार के 38 जिलों में से 37 में महिलाओं की मौतों का पंजीकरण 60 प्रतिशत से कम रहा। झारखंड में भी लगभग यही स्थिति है। अरुणाचल प्रदेश के कुरुंग कुमे जिले में महिलाओं की केवल 5 प्रतिशत मौतें ही दर्ज की गईं। ये आंकड़े बताते हैं कि ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था की पहुंच अभी भी सीमित है।

सामाजिक सोच और जागरूकता की कमी बड़ी वजह

महिलाओं की मौतों का पंजीकरण कम होने के पीछे सामाजिक सोच भी बड़ी वजह है। कई परिवारों में जमीन और मकान के उत्तराधिकार के लिए पुरुष की मृत्यु का रिकॉर्ड जरूरी समझा जाता है, जबकि महिलाओं के मामले में इसे प्राथमिकता नहीं दी जाती। घर पर महिला की मौत होने पर कई बार परिवार पंजीकरण की प्रक्रिया ही शुरू नहीं करता। गरीब परिवारों में जरूरी दस्तावेजों और मृत्यु प्रमाणपत्र के महत्व की जानकारी का अभाव भी समस्या बढ़ाता है।

अंतरराष्ट्रीय हॉकी का महाकुंभ 19 नवंबर से

भोपाल बनेगा ग्लोबल विमेंस हॉकी का हब, 166 देशों में होगा सीधा प्रसारण

भोपाल, यशभारत

मध्य प्रदेश की खेल राजधानी भोपाल एक और ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि के मुहाने पर खड़ी है। राज्य में पहली बार महिला हॉकी का सबसे बड़ा महामुकाबला होने जा रहा है। खेल, युवा कल्याण और संस्कृति के संगम के रूप में उभर रहे भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आगामी 19 से 28 नवंबर 2026 तक एशियन वुमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी का भव्य आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के जरिए भोपाल और मध्य प्रदेश वैश्विक मानचित्र पर महिला हॉकी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस महामुकाबले में मेजबान भारत के साथ-साथ एशिया की पांच दिग्गज हॉकी टीमें खिताब के लिए अपनी ताकत झोकेंगी। टूर्नामेंट में जापान, चीन, मलेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड की महिला टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें लगभग 150 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगी। खिलाड़ियों के बीच होने वाली यह कड़ी टक्कर दर्शकों को रोमांच से भर देगी।



166 देशों में लाइव ब्रॉडकास्ट, दुनिया देखेगी मप्र की ताकत

यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश की ग्लोबल ब्रांडिंग का भी बड़ा मंच है। टूर्नामेंट के सभी रोमांचक मुकाबलों का सीधा प्रसारण दुनिया के 166 देशों में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। नाथू बरखेड़ा के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम और अत्याधुनिक एस्ट्रो टर्फ ग्राउंड पर पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में फ्लड लाइट्स की रोशनी के बीच डे-नाइट मुकाबले खेले जाएंगे, जो खेल प्रेमियों के लिए एक विहंगम अनुभव होगा।

टीटी नगर स्टेडियम में पूरा हुआ एमओयू, विशेष जर्सी भेंट-टूर्नामेंट की तैयारियों को अमलीजामा पहनाने के लिए हाल ही में खेल मंत्री विश्वास सारंग की विशेष मौजूदगी में टीटी नगर स्टेडियम में महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान एशियन हॉकी फेडरेशन, हॉकी इंडिया और मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बीच आधिकारिक एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर मुहर लगी। इस अवसर पर भारतीय हॉकी फेडरेशन के सचिव भोलानाथ सिंह ने एशियन गेम्स-2026 में स्वर्ण पदक विजेता रही भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों के हस्ताक्षर और उनके नाम से सुसज्जित विशेष जर्सी व हॉकी स्टिक भेंट कर इस आयोजन के ऐतिहासिक महत्व को और बढ़ा दिया।

जनजातीय संस्कृति और स्वाद से सजेगा आयोजन

अंतरराष्ट्रीय मेहमानों और दर्शकों के लिए खेल के साथ-साथ मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और आतिथ्य को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विशेष ट्राइबल फूड और आर्ट स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से दुनिया भर से आने वाले मेहमानों को मध्य प्रदेश की अनूठी जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक कलाओं और खानपान से रूबरू कराया जाएगा।

इस महाआयोजन के प्रति प्रदेशभर में जन-उत्साह और खेल के माहौल को चरम पर पहुँचाने के लिए भोपाल से एक भव्य ट्रॉफी टूर की शुरुआत की जाएगी, जो मध्य प्रदेश के सभी संभागों का दौरा करेगा। यह टूर आम जनता और युवाओं को इस ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से सीधे जोड़ने का काम करेगा।

रेलवे पेंशनर्स के लिए विशेष शिविर, स्वास्थ्य जांच के साथ बनेगा डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

भोपाल, यश भारत। पश्चिम मध्य रेल द्वारा पेंशनर्स एवं पारिवारिक पेंशनर्स की सुविधा के लिए नवंबर माह में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना निशातपुरा में 1 से 30 नवंबर तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनाने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके तहत 4 नवंबर को मंडल रेल चिकित्सालय निशातपुरा और 5 नवंबर को पॉलीक्लीनिक हबीबगंज में शिविर लगाया जाएगा। इसके बाद 12 नवंबर को इटारसी 19 को बीना और 26 नवंबर को गुना में शिविर आयोजित होंगे। शिविरों में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अपलोड करने का प्रशिक्षण और स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। वहीं सादिकपुरा स्थित वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ कार्यालय में कार्यदिवसों पर सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक सुविधा मिलेगी। 80 वर्ष से अधिक उम्र के पेंशनर्स को विशेष सहायता दी जाएगी। साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी भी दी जाएगी।



योग से सेहत का संदेश, छोटी आदतों से पर्यावरण संरक्षण की सीख

भोपाल मंडल में मना रहा ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक, रेलवे स्टेशनों से अस्पतालों तक हो रहे जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल, यश भारत।

स्वस्थ शरीर और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश लेकर भोपाल रेल मंडल में ब्रिक्स सस्टेनेबल लाइफस्टाइल वीक मनाया जा रहा है। भारतीय रेलवे की ओर से 1 से 7 नवंबर तक आयोजित इस अभियान के तहत मिशन लाइफ के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, कार्यालयों और रेलवे अस्पताल में योग सत्र आयोजित किए गए। इनमें रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और अन्य लोगों ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इस सप्ताह ऊर्जा और जल संरक्षण, खाद्य अपव्यय रोकने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग घटाने, ई-कचरे के उचित निस्तारण और कचरा प्रबंधन जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाई जा रही है।

रेलवे का उद्देश्य लोगों को दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतें बदलने के लिए प्रेरित करना है ताकि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण हो सके और पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी का अभियान बने।



बिजली कंपनी के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 2 प्रतिशत बढ़ा, अब मिलेगा 60 फीसदी

भोपाल, यश भारत। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने नियमित कार्मिकों के महंगाई भत्ते में 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुए इसे 58 से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है। यह लाभ 1 जनवरी 2026 से सातवें वेतनमान के तहत लागू होगा। बढ़े हुए महंगाई भत्ते का भुगतान अक्टूबर 2026 के वेतन के साथ किया जाएगा। जनवरी से सितंबर 2026 तक के एरियर का भुगतान नवंबर, दिसंबर 2026 और जनवरी 2027 के वेतन के साथ तीन समान किश्तों में होगा। इस अवधि में सेवानिवृत्त या दिवंगत हुए कर्मचारियों को एरियर की राशि एकमुश्त दी जाएगी। वहीं कंपनी ने पेंशनरों और परिवार पेंशनरों की महंगाई राहत में भी वृद्धि की है। छठवें वेतनमान के तहत महंगाई राहत 262 प्रतिशत और सातवें वेतनमान के तहत 60 प्रतिशत निर्धारित की गई है। छठवें वेतनमान में 5 प्रतिशत और सातवें वेतनमान में 2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। बढ़ी हुई राहत जुलाई 2026 से देय होगी।



सड़कों से पकड़े 28 आवारा पशु भेजे कांजी हाउस

बीमार और घायल 4 पशुओं को पहुंचाया आसरा पशु चिकित्सालय, हांका पार्टी ने 15 पशुओं को हटाया

भोपाल, यश भारत। शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर खुले में विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए नगर निगम का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए 28 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा जबकि बीमार और घायल 4 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया। वहीं हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया । निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर लिंक रोड अटल पथ नेहरू नगर माता मंदिर अवधपुरी पिपलानी साकेत नगर बरखेड़ा पठानी गांधी नगर एयरपोर्ट लालघाटी करोंद भानपुर और अयोध्या बायपास सहित कई क्षेत्रों में अभियान चलाया गया। निगम की टीम ने सार्वजनिक स्थलों से पशुओं को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की कार्रवाई की।



शहरभर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, 4 ठेले और 25 कैरेट जब्त

भोपाल, यश भारत। नगर निगम का अतिक्रमण विरोधी अभियान मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जारी रहा। निगम अमले ने सीएम हेल्पलाइन महापौर हेल्पलाइन से मिली शिकायतों और नियमित कार्रवाई के तहत कई स्थानों से अवैध कब्जे हटाए। इस दौरान 4 ठेले 1 काउंटर और 25 कैरेट जब्त किए गए। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर कोलार सनखेड़ी 1100 क्वार्टर अंकुर खेल परिसर औरा मॉल बागमुगालिया 11 मील जवाहर चौक भारत टॉकीज रेलवे स्टेशन पीरगेट रॉयल मार्केट और ईदगाह हिल्स सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। बागमुगालिया में चार अवैध चबूतरे और 11 मील व राजहर्ष कॉलोनी में अस्थायी छप्पर हटाए गए। भारत टॉकीज साजिदा नगर और रॉयल मार्केट से रास्ते में बाधक वाहन भी हटवाए गए। वहीं न्यू मार्केट में दुकानों के बाहर रखा सामान हटवाकर निर्धारित सीमा में रखवाया गया। सड़क और फुटपाथ पर कारोबार करने वाले हॉकर्स को टीटी नगर हाट बाजार भेजा गया। निगम ने दुकानदारों को अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश भी दी।

मामे खान के सुरों पर झूम उठा लाल परेड ग्राउंड

राजस्थानी लोकगीतों ने बांधा समां

जनजातीय नृत्यों से लेकर सूफियाना संगीत तक दिखी संस्कृति की विविधता

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश के 71वें स्थापना दिवस समारोह का समापन मंगलवार को लोक एवं जनजातीय संस्कृति और राजस्थानी संगीत के शानदार संगम के साथ हुआ। लाल परेड ग्राउंड में आयोजित अंतिम सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक गायक मामे खान ने अपनी दमदार आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत भारिया कोरकू और घासी जनजातियों के पारंपरिक नृत्यों से हुई। इसके बाद गुजरात छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र तेलंगाना और राजस्थान के



कलाकारों ने लोकनृत्यों की प्रस्तुतियां दीं। मामे खान ने केसरिया बालम से गायन शुरू कर वंदे मातरम् चौधरी छाप तिलक और दमादम मस्त कलंदर? जैसे गीतों से माहौल संगीतमय कर दिया। रेशम का रूमाल ने भी खूब रंग जमाया। तीन दिवसीय आयोजन में प्रदर्शनियों देशज व्यंजन मेले किसान बाजार और महिला उद्यमिता मंडप ने भी लोगों को आकर्षित किया।

मिठी के बच्चों ने दीपोत्सव पर अपनाया परोपकार का मार्ग



हिरदाराम नगर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में दीपावली के पूर्व एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में परोपकार, सामाजिक उत्तरदायित्व और जरूरतमंदों की सहायता करने की भावना विकसित करना था।

बच्चों से कहा गया कि दीपावली केवल दीप जलाने का पर्व नहीं, बल्कि वंचित लोगों के जीवन में भी खुशियां फैलाने का अवसर है। इस पहल के तहत छात्रों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपनी क्षमतानुसार जरूरतमंद बच्चों या परिवारों को कपड़े, मिठाइयां, बर्तन या उपहार भेंट करें तथा अपने इस अनुभव को लिपिबद्ध कर फोटो के साथ क्लास टीचर से साझा करें।

प्राचार्या रेखा केवलानी ने कहा कि पर्व का असली आनंद तभी है जब हमारी खुशियों की चमक किसी गरीब के आशियाने को भी रोशन करे। उपप्राचार्या दिव्या कृपलानी ने विचार व्यक्त किया कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं।

80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग रमेश प्रसाद को मिली ट्रायसाइकिल

जनसुनवाई में 116 आवेदकों ने रखीं समस्याएं, अधिकारियों ने सुनी फरियाद

कई मामलों का मौके पर निराकरण

भोपाल, यश भारत।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 116 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जनसुनवाई में एडीएम पीसी शाक्य और अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे ने आवेदकों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान 80 प्रतिशत से अधिक पैरों से दिव्यांग



रमेश प्रसाद को अपर कलेक्टर महेन्द्र कबचे एवं डिप्टी कलेक्टर अर्चना शर्मा ने ट्रायसाइकिल प्रदान की। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की बात धैर्यपूर्वक सुनी और समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। साथ ही मौके पर उपस्थित एसडीएम एवं अन्य अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशीलता से कार्रवाई करने और संबंधित क्षेत्रों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एम्स भोपाल में बुजुर्ग कैंसर मरीजों की देखभाल पर विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित

भोपाल, यश भारत।

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता माह के अंतर्गत एम्स भोपाल में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू के जराचिकित्सा जेरिएट्रिक मेडिसिन के विद्यार्थियों के लिए विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया। इसका विषय मैलिग्नेंसी गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल और बुजुर्गों में उपशामक देखभाल रहा। सत्र में एम्स भोपाल के मेडिकल ऑन्कोलॉजी एवं हेमेटोलॉजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ.



आकांक्षा चौधरी ने विद्यार्थियों को कैंसर से पीड़ित बुजुर्ग मरीजों की देखभाल के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की जरूरतों उपचार के दौरान संवेदनशीलता और उपशामक देखभाल के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन आनंद कुमार और डॉ. सिवानी तमांग ने किया। इस दौरान बुजुर्ग मरीजों की गरिमा बनाए रखने उनकी शारीरिक एवं मानसिक जरूरतों को समझने और जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया गया। सत्र का उद्देश्य भावी स्वास्थ्य पेशेवरों को बुजुर्ग कैंसर मरीजों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने और बेहतर देखभाल के लिए प्रशिक्षित करना रहा।

हनुमान चालीसा पाठ के साथ मेधावी विद्यार्थी हुए पुरस्कृत



हिरदाराम नगर.

दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 के मेधावी विद्यार्थियों के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ भी किया गया।

मुख्य अतिथि कर्नल नारायण पारवानी ने विद्यार्थियों को हनुमान जी की तरह अपनी असीम शक्ति पहचानने और निरंतर मेहनत कर आकाश छूने के लिए प्रेरित किया। संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी ने समय का सदुपयोग, बड़ों का आदर, मधुर वाणी और मानव सेवा का संदेश दिया। सचिव बसंत चेलानी ने न्यूनतम फीस में अधिकतम सुविधा देने की बात कही, जबकि समाजसेवी मनोहर वासवानी ने ईश्वर के नाम से शुरुआत कर दूसरों के हित में सोचने की प्रेरणा दी। प्राचार्य आर.के. मिश्रा और मोन्टेसरी इंचार्ज प्रियांषी आडवानी सहित सभी शिक्षकों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अंत में चन्दर नागदेव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और युवा संवाद का आयोजन, 200 से अधिक युवाओं ने लिया हिस्सा

नशा मुक्ति और विकसित भारत के संकल्प के साथ युवाओं ने ली लोकतांत्रिक प्रतिज्ञा

भोपाल, यश भारत।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के मेरा युवा भारत माय भारत भोपाल द्वारा 3 नवंबर को एलएनसीटी कॉलेज में युवा संसद और विकसित भारत युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 200 से अधिक छात्र-छात्राओं और युवाओं ने भाग लेकर नशा मुक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम के



पहले सत्र में नशा मुक्त युवा विषय पर चर्चा हुई। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो भोपाल के सुपरिंटेंडेंट कौशिक मन्ना और जूनियर इंटेलिजेंस ऑफिसर अमन पचौरी ने नशे से जुड़े कानूनी प्रावधानों और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका की जानकारी दी। ब्रह्माकुमारीज के सुखेंद्र जी ने आत्मनियंत्रण और मानसिक मजबूती का संदेश दिया। वहीं राजीव तिवारी ने युवाओं को साथियों के दबाव में नशे से दूर रहने की सलाह दी। दूसरे सत्र में स्पोर्ट्स आइकॉन तरुण सिंह, विशाल कुमार और यूथ आइकॉन नंदिनी पांडे ने युवाओं से संवाद किया तथा राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार रखे। इस दौरान नशा विरोधी लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। प्रतिभागियों ने नशा मुक्त रहने और लोकतांत्रिक मूल्यों के पालन की शपथ भी ली। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में माय भारत भोपाल की डिप्टी डायरेक्टर निक्की राठौर ने अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

घरों से निकला कचरा बना मुसीबत, सड़कों पर ढेर

चेतावनी के बाद भी नहीं जागा प्रशासन, सफाई कर्मचारियों की नाराज़गी का खामियाज़ा भुगत रही भोपाल की जनता







भोपाल, यश भारत।

एक तरफ राजधानी के आम लोग प्रकाश पर्व दीपावली के स्वागत और उल्लास के लिए अपने-अपने घरों की गहन साफ-सफाई में जुटे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ नगर निगम के सफाई कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने पूरे शहर को कचरे के ढेर में तब्दील कर दिया है। स्थिति यह है कि पिछले दो दिनों से लोगों द्वारा घरों की सफाई के दौरान निकाला गया अतिरिक्त कचरा और कबाड़ मुख्य सड़कों, गलियों और चौराहों पर ही पड़ा हुआ है, जिसे उठाने वाला कोई नहीं है।

घरों की सफाई का कचरा और हड़ताल बनी जी का जंजाल

त्योहारी सीजन के मद्देनजर इन दिनों हर घर में विशेष सफाई अभियान चल रहा है। घरों से निकलने वाला पुराना सामान, कचरा और मलबे जैसी चीजें लोग सड़कों के किनारे या कॉलोनियों के बाहर डाल रहे हैं। लेकिन, सफाई कर्मियों के काम पर न होने के कारण यह कचरा सड़कों पर ही सड़ रहा है। न्यू मार्केट, एमपी नगर, पुराने शहर के बाजारों से लेकर आवासीय कॉलोनियों तक हर तरफ कचरे के अंबार और उससे उठने वाली दुर्गंध ने नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है।

मांगों पर अनसुनी से भड़के कर्मचारी

सफाई कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर बीते दिनों जोरदार प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों को उम्मीद थी कि इस आंदोलन के बाद शासन या नगर निगम प्रशासन की तरफ से उनकी मांगों पर कोई सकारात्मक पहल होगी। लेकिन, कोई ठोस आश्वासन न मिलने के कारण कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया, जिससे अब यह विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। त्योहार की इस व्यस्तता के बीच बाजारों और गलियों में फैली इस गंदगी के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा मंडराने लगा है। त्योहारी उमंग के बीच मक्खियों-मच्छरों के प्रकोप और गंदगी के ढेरों ने बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों की सेहत पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। व्यापारियों और शहरवासियों का कहना है कि जब प्रशासन को यह भली-भांति पता था कि इस सीजन में घरों और बाजारों से सबसे अधिक कचरा निकलता है, तो ऐसे में समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? फिलहाल, शहर की जनता की निगाहें एक बार फिर नगर निगम के उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे कब इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हैं और त्योहारी सीजन में शहर को इस बदहाली से मुक्ति दिलाते हैं।

दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या के विरोध में मोमबत्तियां जलाकर दी श्रद्धांजलि

माफिया के आतंक पर कांग्रेस का हल्लाबोल बोर्ड ऑफिस चौराहे पर बनाई मानव श्रृंखला

कानून व्यवस्था पर सरकार को घेरा

भोपाल,यश भारत।

देवास जिले के खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की ट्रक से कुचलकर हत्या के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी, भोपाल शहर ने बोर्ड ऑफिस चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। शराब रेत और खनिज माफियाओं के बढ़ते आतंक के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर विरोध जताया। इस दौरान दिवंगत थाना प्रभारी की स्मृति में मोमबत्तियां जलाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर के अध्यक्ष इंजी. प्रवीण सक्सेना ने किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब कानून के रक्षकों की जान भी सुरक्षित नहीं है। खातेगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब पुलिस अधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम जनता की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी , सक्सेना ने आरोप लगाया कि प्रदेश में शराब, रेत और खनिज माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है जिसके चलते उनका आतंक लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की जान माल की सुरक्षा करने में नाकाम साबित हो रही है और प्रदेश की जनता भय एवं असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर है। उन्होंने मांग की कि माफियाओं को मिल रहे कथित राजनीतिक संरक्षण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा हत्या के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि माफिया राज और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ पार्टी का संघर्ष जारी रहेगा।



मोमबत्तियां जलाकर जताया आक्रोश और शोक

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मानव श्रृंखला बनाकर माफिया राज के खिलाफ एकजुटता दिखाई। इसके बाद मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत थाना प्रभारी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधानसभा में नोडल अधिकारियों को दिया ई-विधान का प्रशिक्षण

विधानसभा के कामकाज को पेपरलेस बनाने पर जोर

भोपाल, यश भारत।

मध्यप्रदेश विधानसभा में बुधवार को राज्य मंत्रालय के नोडल अधिकारियों के लिए ई-विधान प्रणाली के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अधिकारियों को डिजिटल माध्यम से विधानसभा संबंधी कार्यों के निष्पादन की प्रक्रिया और प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को ई-विधान प्रणाली की कार्यप्रणाली ऑनलाइन प्रक्रियाओं और डिजिटल माध्यम से शासकीय कार्यों के संचालन के बारे में विस्तार से समझाया गया। साथ ही विधानसभा से जुड़े कार्यों को ऑनलाइन संपादित करने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विधानसभा की कार्यप्रणाली को आधुनिक तकनीक से जोड़ना और कागजी प्रक्रिया को कम करते हुए कामकाज को अधिक सुगम पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना है। ई विधान प्रणाली के माध्यम से विधानसभा की विभिन्न प्रक्रियाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।





दीपावली पर पटाखे जलाते समय आँखों की सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान

जरा सी लापरवाही बन सकती है स्थायी दृष्टिहानि की वजह, जलन या चोट होने पर 15-20 मिनट तक साफ पानी से धोएं आँखें

भोपाल,यश भारत।

दीपावली खुशियों और रोशनी का त्योहार है लेकिन पटाखे जलाने के दौरान थोड़ी सी लापरवाही आंखों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। पटाखों से निकलने वाली चिंगारी, धुआं, रासायनिक कण और तेज गर्मी आंखों में जलन, सूजन, चोट और यहां तक कि स्थायी दृष्टिहानि का कारण बन सकते हैं। इसे देखते हुए गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल के नेत्र रोग विभाग ने लोगों को दीपावली के दौरान आंखों की विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। नेत्र रोग विशेषज्ञों के अनुसार, पटाखे जलाते या देखते समय सुरक्षा चश्मे का उपयोग करना चाहिए। पटाखों से कम से कम 5 से 10 मीटर की सुरक्षित दूरी बनाए रखें। बच्चों को कभी भी बिना निगरानी पटाखे न जलाने दें। अधिक विस्फोटक, प्रतिबंधित या घर में बनाए गए पटाखों का इस्तेमाल करने से बचें। पटाखे जलाने के लिए लंबी अगरबत्ती या लाइटर स्टिक का उपयोग करें। तेज हवा और भीड़भाड़ वाली जगहों पर पटाखे जलाने से भी बचना चाहिए।

आँख में जलन या चोट लगे तो तुरंत करें ये उपाय

विशेषज्ञों ने बताया कि पटाखे का कण, चिंगारी या रसायन आंख में जाने पर तत्काल साफ, ठंडे और बहते पानी से कम से कम 15 से 20 मिनट तक आंख धोनी चाहिए। आंख को बिल्कुल न रगड़ें, क्योंकि इससे चोट और गंभीर हो सकती है। यदि कॉन्टैक्ट लेंस पहने हैं तो उन्हें सावधानीपूर्वक हटा दें। बिना चिकित्सकीय सलाह के किसी भी प्रकार की आई ड्रॉप या मलहम का इस्तेमाल न करें।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

आंख में तेज दर्द, बढ़ती लालिमा या सूजन, धुंधला दिखाई देना, लगातार पानी आना, रोशनी से परेशानी होना या आंख खोलने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। पटाखे से आंख पर चोट लगने या रासायनिक अथवा तापीय जलन का संदेह होने पर भी बिना देरी किए अस्पताल पहुंचना जरूरी है। नेत्र रोग विभाग ने अपील की है कि दीपावली पर खुशियां मनाते समय आंखों की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। थोड़ी सी सावधानी आंखों को गंभीर चोट और स्थायी दृष्टिहानि से बचा सकती है। आंखों से जुड़ी किसी भी समस्या को हल्के में न लें और समय पर विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें।

वार्ड 58 में विकास कार्य का शुभारंभ

नरेला के गौतम नगर में डामरीकरण कार्य शुरू, सड़क निर्माण से मिलेगी राहत

क्षेत्रवासियों की मौजूदगी में जनप्रतिनिधियों ने जताई खुशी

भोपाल,यश भारत।

नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 58 स्थित गौतम नगर में डामरीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों भाजपा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि नरेला विधानसभा का समग्र विकास ही एकमात्र संकल्प है। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

गौतम नगर में सड़क के डामरीकरण का कार्य पूरा होने से स्थानीय रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने विकास कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता जताई। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी क्षेत्र के विकास से जुड़े प्रयासों पर चर्चा की।



मशरूम उत्पादन से रोजगार और उद्यमिता के नए अवसरों पर मंथन

भोपाल यश भारत।

विद्यार्थियों किसानों शोधार्थियों और युवाओं को मशरूम उत्पादन की आधुनिक तकनीकों एवं कृषि उद्यमिता से जोड़ने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल के कृषि विभाग द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। सतत मशरूम उत्पादन मूल्य संवर्धन एवं कृषि व्यवसाय विकास' विषय पर आयोजित इस वेबिनार में विशेषज्ञों ने मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीकों उत्पादों के मूल्य संवर्धन और स्वरोजगार की संभावनाओं पर जानकारी दी। साथ ही कृषि उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। वेबिनार में देशभर से लगभग 300 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन सहभागिता की।

भोपाल में खुलेगा देश का आठवां स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर



भोपाल,यश भारत।

विदेश में नौकरी करने का सपना देख रहे मध्यप्रदेश के युवाओं के लिए अच्छी खबर है। राजधानी भोपाल में देश का आठवां स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर खोला जाएगा। इस सेंटर के माध्यम से युवाओं को विदेश में रोजगार पाने के लिए जरूरी कौशल और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। सेंटर में विदेशी भाषाओं की शिक्षा इंटरव्यू की तैयारी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के लिए आवश्यक कौशल सिखाए जाएंगे। इसके साथ ही युवाओं को करियर काउंसलिंग के जरिए उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार के विकल्पों की जानकारी भी दी जाएगी। विदेशी कंपनियों में उपलब्ध नौकरियों और रोजगार के अवसरों से भी युवाओं को अवगत कराया जाएगा। इस सेंटर की खास बात यह होगी कि इसका लाभ केवल तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवाओं तक सीमित नहीं रहेगा। आईटीआई और पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों के साथ 10वीं-12वीं पास तथा गैर तकनीकी विषयों से पढ़ाई करने वाले युवा भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इस पहल से युवाओं को अंतरराष्ट्रीय रोजगार बाजार के अनुरूप तैयार करने और विदेश में नौकरी के अवसरों तक पहुंच बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बिजली विभाग के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, भारी-भरकम बिलों को लेकर जताया विरोध



भोपाल, यश भारत। बिजली विभाग की कथित मनमानी भारी भरकम बिजली बिल और अवैध वसूली के आरोपों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गोविंदपुरा स्थित बिजली विभाग के कार्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के निराकरण की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बिजली उपभोक्ताओं को अनाप शनाप बिल दिए जा रहे हैं। इसके अलावा वसूली के नाम पर भी उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आम लोगों को राहत देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उपभोक्ताओं की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया और कथित अवैध वसूली पर रोक नहीं लगी तो कांग्रेस कार्यकर्ता उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

10 दिन का अल्टीमेटम, पाइपलाइन नहीं बदली तो तहसील कार्यालय पर होगा उग्र प्रदर्शन

नलों में आ रहा नालियों का दूषित पानी, पी रहे लोग, पार्षद धरने पर बैठे

भोपाल ,यश भारत।

वार्ड क्रमांक 4 बरसई में पेयजल व्यवस्था की बदहाली को लेकर मंगलवार को भाजपा पार्षद संजय कुशवाह नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी राजेंद्र सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर क्षतिग्रस्त पाइपलाइन बदलने और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की। पार्षद ने बताया कि वार्ड में कई वर्षों से पाइपलाइन की समस्या बनी हुई है। कहीं पाइपलाइन फूटी है तो कहीं लाइन ही नहीं है। हालात यह हैं कि नालियों का गंदा पानी पेयजल पाइपलाइन में मिलकर घरों तक पहुंच रहा है। इससे रहवासियों को दूषित पानी पीने की मजबूरी है। पार्षद ने प्रशासन से तत्काल पाइपलाइन बदलने की मांग की। सीएमओ राजेंद्र सक्सेना ने समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ।

10 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन–संजय कुशवाह ने चेतावनी दी है कि पाइपलाइन नहीं बदली गई तो वार्डवासियों के साथ तहसील कार्यालय पर उग्र प्रदर्शन करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपेंगे।



नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रिंकी देवी पत्नि श्री दीपक राठौर आयु वयस्क निवासी-वार्ड क्रं 09 भारतीय भवन के पीछे, चंपी मोहल्ला नरसिंहगढ जिला राजगढ मप्र की निवासी हूँ।

मेरा वास्तविक नाम रिंकी देवी (Rinki Devi) है, परंतु आधार काड में त्रुटिवश मेरा नाम निशा कुमारी (Nisha Kumari) अंकित है, अब मैं प्रकाशन उपरांत अपने सही एवं वास्तविक नाम रिंकी देवी (Rinki Devi) से जानी पहचानी जाउंगी, तथा सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा यही नाम रहेगा।

आवेदिका रिंकी देवी

पुराना नाम-
निशा कुमार (Nisha Kumari)
नया नाम
रिंकी देवी (Rinki Devi)

संपादकीय

बदलते मौसम की बढ़ती चुनौती

मौसम का बदलता मिजाज अब केवल मौसमी घटना नहीं, बल्कि जनजीवन, अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। एक चक्रवात की तबाही से उबरने के पहले दूसरे चक्रवात का दस्तक देना इस बात का संकेत है कि प्राकृतिक आपदाओं का स्वरूप लगातार जटिल होता जा रहा है। अर्नब के बाद मुरासु का प्रभाव और देश के बड़े हिस्से में बादल, बारिश, तेज हवाएं तथा तापमान में उतार-चढ़ाव इसी बदलती मौसमी परिस्थितियों की ओर इशारा करते हैं। आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में तेज हवाओं और भारी बारिश से हुई तबाही, रेल और हवाई सेवाओं का बाधित होना तथा निचले क्षेत्रों में जलभराव की आशंका इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं।

इस स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू मौसम की अनिश्चितता है। कभी तेज धूप और गर्मी तो कभी अचानक बारिश और ठंड का अहसास सामान्य जनजीवन को प्रभावित कर रहा है। मौसम का यह उतार-चढ़ाव खेती-किसानी से लेकर स्वास्थ्य तक कई क्षेत्रों के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। किसानों के लिए बेमौसम बारिश किसी बड़ी आर्थिक चोट से कम नहीं है। खेतों में खड़ी फसल, कटाई के लिए तैयार उपज और खुले में रखा अनाज तेज बारिश तथा ओलावृष्टि से प्रभावित हो सकता है। खासकर उन किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, जिन्होंने मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर फसल की कटाई और भंडारण की योजना बनाई है। ऐसे में कृषि विभाग को किसानों तक समय रहते मौसम संबंधी सूचनाएं पहुंचाने के साथ जरूरी सलाह भी उपलब्ध करानी चाहिए। दूसरी ओर तापमान में अचानक गिरावट का असर बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर स्वास्थ्य वाले लोगों पर पड़ सकता है। बदलते मौसम में सर्दी, खांसी, बुखार और सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। शहरों में जलभराव, पेड़ गिरने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। आंध्र प्रदेश में चक्रवात के कारण रेल और हवाई सेवाओं का प्रभावित होना बताता है कि प्राकृतिक आपदा का असर केवल प्रभावित तटीय क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की परिवहन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

मध्य प्रदेश सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में भी मौसम विभाग ने बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी केवल अलर्ट जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। संवेदनशील इलाकों की पहचान, जल निकासी की व्यवस्था, बिजली और परिवहन सेवाओं की सुरक्षा तथा आपदा राहत दलों की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित करना जरूरी है। स्थानीय निकायों को नालों की सफाई और जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। रेलवे और विमानन सेवाओं को भी यात्रियों तक समय पर सूचना पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

बदलते मौसम के पीछे सक्रिय मौसमी प्रणालियों की भूमिका को समझना जरूरी है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों, समुद्री तापमान में वृद्धि और चरम मौसमी घटनाओं के बढ़ते जोखिम पर वैज्ञानिक अध्ययन और दीर्घकालीन नीति की आवश्यकता है। हर आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य करना पर्याप्त नहीं है। हमें ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी, जो आपदा आने से पहले नुकसान कम करने में सक्षम हो। मौसम पूर्वानुमान की तकनीक, स्थानीय स्तर पर चेतावनी प्रणाली और आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करना समय की मांग है। मौसम विभाग की चेतावनी तभी सार्थक होगी, जब वह समय रहते आम नागरिक तक पहुंचे और उसके आधार पर जरूरी तैयारी भी हो। नागरिकों को भी चेतावनी के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, सुरक्षित स्थानों पर रहने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रकृति के बदलते संकेतों को नजरअंदाज करने की कीमत समाज को भारी नुकसान के रूप में चुकानी पड़ सकती है। अब जरूरत मौसम के मिजाज पर चिंता जताने की नहीं, बल्कि उससे निपटने की मजबूत, वैज्ञानिक और दूरदर्शी तैयारी करने की है।

कड़वे वचन



हर वक्त भाग्य कोदोष देना भी ठीक नहीं है। कभी कभी हम भी हद से ज्यादा मांग लेते हैं। आज का कर्म ही तो कल का भाग्य है। इसलिए अच्छे भाग्य के लिए अच्छे कर्म करो। कौन कहता है कि मनुष्य कीहथेली की रेखाओं में उसका भाग्य लिखा होता है क्योंकि भाग्य तो उनका भी होता है, जिनके हाथ ही नहीं होते। अपना भाग्य मनुष्य खुद अपने हाथों से लिखता है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-4 नवम्बर, 2026
दिन-बुधवार, अश्विन शुक्ल 10

मेष
आज का दिन संपत्ति के संबंधित मामलों के लिए अच्छा रहने वाला है वाणी पर नियंत्रण रखें

वृष
धन संबंधित डील को फाइनल करने के पहले उसकी बड़ी क्यों पर अवश्य ध्यान दें

मिथुन
आज का दिन भागदौड़ भरा रहने वाला है काम के चलते थकान महसूस कर सकते हैं

कर्क
आज का दिन तरक्की के नए मार्ग खोल सकता है विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करनी पड़ेगी

सिंह
अपने धन को सही दिशा में निवेश करने हेतु बड़ों की सलाह को ध्यान में रखकर आगे बढ़े

कन्या
मित्र से किसी मामले को लेकर विवाद हो सकता है अपनी वाणी और क्रोध में नियंत्रण रखें

तुला
संतान पक्ष की ओर से कुछ अच्छी खबर मिल सकती है विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी

वृश्चिक
दिन स्वास्थ्य के मामले में कमजोर रहने वाला है अतः सेहत का ध्यान रखें

धनु
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है मन में उत्साह बना रहेगा

मकर
कम पर फोकस बनाए रखें तभी वह कार्य पूरा होगा बेवजह तनाव न ले

कुंभ
सेहत संबंधित मामलों में लापरवाही ना करें बाहर के खानपान से बचे

मीन
आय के स्रोत को बढ़ाने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी पड़ सकती है सोच समझकर कार्य आगे बढ़ाएं

आखिर क्या हो रहा है बच्चों को? मासूम मन में क्यों पनप रहा है हिंसा और बदले का भाव



बच्चों की दुनिया खेल, जिज्ञासा, दोस्ती और सीखने की सहज दुनिया मानी जाती है। छोटी-छोटी बातों पर रूठना और फिर कुछ देर में साथ खेलना बचपन की पहचान थी। लेकिन हाल की घटनाएं इस तस्वीर को बेचैन करने लगी हैं। पंचकूला के सरकारी स्कूल में तीसरी कक्षा के आठ वर्षीय छात्र पर आरोप है कि उसने केजी में पढ़ने वाली बच्ची को खाली कक्षा में ले जाकर बुरी तरह पीटा। नोएडा के एक स्कूल में सात वर्षीय छात्र को उसके पंद्रह से अधिक सहपाठियों ने कथित तौर पर फर्श पर गिराकर पीटा। आंध्र प्रदेश में प्रेम प्रस्ताव ठुकराने पर दसवीं की छात्रा पर कक्षा में हमला किए जाने की घटना भी सामने आई। ये घटनाएं बच्चों की सुरक्षा, व्यवहार और सामाजिक वातावरण पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

सबसे अधिक चिंता इस बात की है कि हिंसक व्यवहार अब बहुत कम उम्र में दिखाई देने लगा है। आठ साल का बच्चा दूसरे बच्चे को चोट पहुंचाने की स्थिति तक कैसे पहुंचा? सात साल के छात्र के साथियों को समूह बनाकर उसे पीटने की प्रेरणा कहां से मिली? क्या बच्चों के मन में संवेदनाएं कम हो रही हैं या गुस्सा और बदले की भावना बढ़ रही है? इन सवालों का जवाब केवल यह कहकर नहीं दिया जा सकता कि आजकल के बच्चे बिगड़ गए हैं या कलयुग का प्रभाव है। इसके पीछे पारिवारिक वातावरण, सामाजिक बदलाव, मानसिक दबाव और बच्चों को मिलने वाले संस्कार जैसे अनेक कारण हो सकते हैं।

बचपन में भावनाओं को पहचानने और संभालने की क्षमता धीरे-धीरे विकसित होती है। कई बच्चे निराशा, ईर्ष्या, अपमान और असुरक्षा को शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाते। वे अपनी परेशानी को चिल्लाने, मारपीट करने या दूसरों को परेशान करने के रूप में दिखाते हैं। इसका अर्थ है कि बच्चों को केवल अनुशासन सिखाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें गुस्से पर नियंत्रण, सहनशीलता और विवाद को बातचीत से सुलझाने की शिक्षा भी देनी होगी। कभी-कभी आक्रामक व्यवहार तनाव, डर, उपेक्षा या किसी अप्रिय अनुभव का संकेत भी हो सकता है।

परिवार बच्चे की पहली पाठशाला है। घर में माता-पिता के बीच लगातार झगड़े, अपमानजनक भाषा, गृह क्लेश और तनावपूर्ण वातावरण का असर बच्चों की मनोदशा पर पड़ सकता है। बच्चा बड़ों की बातें ही नहीं, उनका व्यवहार भी देखकर सीखता है। यदि घर में मतभेद का समाधान बातचीत के बजाय चिल्लाकर किया जाता है तो बच्चा भी यही तरीका अपना सकता है। हालांकि बच्चों के व्यवहार के लिए परिवार को अकेले दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। आर्थिक दबाव, माता-पिता की व्यस्तता, स्कूल का वातावरण और साथियों का प्रभाव भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आज भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन बच्चों के साथ बैठकर बातचीत करने का समय कम होता जा रहा है। मोबाइल और इंटरनेट ने मनोरंजन के अनेक रास्ते खोले हैं, लेकिन उम्र के अनुरूप निगरानी नहीं होने पर बच्चे हिंसा, गाली-गलौज और बदले की भावना को सामान्य दिखाने वाली सामग्री से प्रभावित हो सकते हैं। कई बार मोबाइल बच्चों को व्यस्त रखने का साधन बन जाता है और माता-पिता यह जानने का प्रयास ही नहीं करते कि बच्चा क्या देख रहा है। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के साथ खेलकूद, किताबों, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों की ओर भी प्रेरित करना होगा।

बच्चों की मनोदशा समझने के लिए माता-पिता को उनसे प्रतिदिन बातचीत करनी चाहिए। केवल पढ़ाई, परीक्षा और अंकों के बारे में पूछना पर्याप्त नहीं है। यह भी जानना जरूरी है कि बच्चा किस बात से खुश है, किस बात से परेशान है और स्कूल में उसके मित्रों के साथ कैसा व्यवहार होता है। बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करना, सबके सामने अपमानित करना और हर गलती पर कठोर दंड देना उनके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। प्यार का अर्थ हर मांग पूरी करना नहीं है। उचित अनुशासन, स्पष्ट नियम और जिम्मेदारी का एहसास भी अच्छी परवरिश का हिस्सा हैं।

स्कूलों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि बच्चों के व्यवहार में बदलाव पहचानने वाले मार्गदर्शक भी हैं। कक्षा में पर्याप्त निगरानी, सुरक्षित वातावरण और बच्चों के बीच सहयोग की भावना विकसित करना जरूरी है। किसी बच्चे को लगातार चिढ़ाना, अलग-थलग करना या समूह में निशाना बनाना मामूली शरारत समझकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। स्कूल प्रबंधन को ऐसी शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। आवश्यकता होने पर अभिभावकों के साथ बाल मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता की सहायता भी लेनी चाहिए।

बच्चे के स्वभाव में अचानक बदलाव, बार-बार गुस्सा, अत्यधिक चुप्पी, डर, दूसरों को परेशान करने की प्रवृत्ति या दोस्तों से दूरी दिखाई दे तो उसे केवल जिद समझकर टालना ठीक नहीं है। माता-पिता को धैर्यपूर्वक उसकी बात सुननी चाहिए। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की सलाह लेनी चाहिए। जिस बच्चे के साथ हिंसा हुई है, उसे सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग मिलना चाहिए। वहीं हिंसक व्यवहार करने वाले बच्चे को भी सुधारने और सही दिशा दिखाने की जरूरत है। कम उम्र में किसी बच्चे को अपराधी का ठप्पा लगा देना समस्या का समाधान नहीं है।

समाज में बदलते पारिवारिक संबंध और पीढ़ियों के बीच बदलती अपेक्षाएं भी विचारणीय हैं। पहले परिवार के बुजुर्ग महत्वपूर्ण निर्णयों में बड़ी भूमिका निभाते थे, जबकि आज युवा अपनी पसंद और स्वतंत्रता को अधिक महत्व देते हैं। बदलाव अपने आप में गलत नहीं है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी, धैर्य, सम्मान और दूसरों की भावनाओं को समझने का संस्कार भी जरूरी है। माता-पिता की बात मानना अंधानुकरण नहीं, बल्कि संवाद और परस्पर सम्मान का रिश्ता होना चाहिए।

आज युवाओं में बढ़ती निराशा और मानसिक दबाव की खबरें भी समाज को आत्ममंथन के लिए विवश करती हैं। किसी बच्चे या किशोर की परेशानी को कमजोरी या नाटक कहकर खारिज नहीं करना चाहिए। स्वयं को अथवा दूसरों को नुकसान पहुंचाने की बात को गंभीरता से लेकर परिवार, स्कूल और विशेषज्ञों की सहायता लेनी चाहिए।

बच्चे समाज का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारी भी हैं। उन्हें केवल अच्छे अंक और प्रतिस्पर्धा में आगे रहने की सीख देना पर्याप्त नहीं है। संवेदना, संयम, सहनशीलता, मित्रता और दूसरों के सम्मान का महत्व भी समझाना होगा। पंचकूला और नोएडा जैसी घटनाएं चेतावनी हैं कि घर, स्कूल और समाज को मिलकर बच्चों के मन की बात सुननी होगी। आखिर बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनका भविष्य सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी किसी एक व्यक्ति की नहीं, पूरे समाज की है। बचपन को भय, बदले और हिंसा से मुक्त रखना हम सबका सामूहिक दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

प्रधानमंत्री ने भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 का किया उद्घाटन

- स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक नेतृत्व की ओर भारत की निर्णायक उड़ान,निवेश, नवाचार और तकनीकी आत्मनिर्भरता के त्रिकोण से विकसित भारत का ऊर्जा संकल्प, वैश्विक सहयोग को नई दिशा देने की तैयारी

ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास और सामाजिक समृद्धि का आधार होती है। आधुनिक युग में किसी देश की विकास क्षमता का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद या औद्योगिक उत्पादन से नहीं, बल्कि इस बात से भी किया जाता है कि वह अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को किस सीमा तक सुरक्षित, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल बना सकता है। जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव, जीवाश्म ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितताओं ने दुनिया को वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर गंभीरता से सोचने के लिए विवश किया है। ऐसे समय में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा को अपनी विकास नीति और ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख आधार बनाया है। इसी दिशा में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 2 से 5 नवंबर 2026 तक आयोजित भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं एक्सपो 2026 महत्त्वपूर्ण वैश्विक पहल के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 नवंबर को इस चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। 'निवेश करें, नवाचार करें, प्रेरित करें' इसकी केंद्रीय थीम है। यह आयोजन भारत की उपलब्धियों को दुनिया के सामने रखने के साथ स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक विकास की नई संभावनाएँ खोलने का मंच बन रहा है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आज के आधिकारिक वक्तव्य में भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की गति और सौर ऊर्जा की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, च्भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन गति पकड़ रहा है और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में सौर ऊर्जा की भूमिका बढ़ रही है।ज्ज उन्होंने छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्रों के विस्तार, ऊर्जा भंडारण और पारेषण में निवेश के महत्त्व को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री के अनुसार यह परिवर्तन बिजली के बिल कम करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में सहायक है। उन्होंने यह टिप्पणी केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी और माइक ब्लूमबर्ग के उस आलेख को साझा करते हुए की, जिसमें भारत की सौर ऊर्जा यात्रा और स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र की संभावनाओं का उल्लेख है। यह कथन भारत की ऊर्जा नीति के तीन महत्त्वपूर्ण पक्षों को सामने लाता है। पहला, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार; दूसरा, आम नागरिकों को उसका लाभ; और तीसरा, ऊर्जा क्षेत्र में निवेश तथा रोजगार के अवसरों का निर्माण।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती भागीदारी - - >भारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन की व्यापकता इसकी अंतरराष्ट्रीय भागीदारी से स्पष्ट होती है। इसमें 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, 40 से अधिक मंत्रियों, नीति-निर्माताओं, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों और उद्योग जगत के प्रमुख व्यक्तियों की भागीदारी हो रही है। ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्वीडन और ब्रिटेन भागीदार देशों के रूप में शामिल हैं। भारत के 13 राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल अपनी ऊर्जा क्षमता, निवेश संभावनाओं तथा विनिर्माण संबंधी उपलब्धियों को प्रस्तुत कर रहे हैं। एक्सपो में 400 से अधिक प्रदर्शक सौर एवं पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि भारत स्वच्छ ऊर्जा को केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य के उद्योग और वैश्विक आर्थिक सहयोग के बड़े क्षेत्र के रूप में देख रहा है।

308 गीगावाट से 500 गीगावाट तक का लक्ष्य - ->भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा को समझने के लिए गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत क्षमता के आँकड़े महत्त्वपूर्ण हैं। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार देश की गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता 308 गीगावाट तक पहुँच चुकी है। भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वर्ष 2027 से 2030 के बीच लगभग 220 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की आवश्यकता का अनुमान है। जुलाई 2024 से जून 2026 के बीच भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 63.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश हुआ है। भारत नवीकरणीय ऊर्जा और सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता में विश्व में तीसरे तथा पवन ऊर्जा क्षमता में चौथे स्थान पर है। ये आँकड़े भारत की प्रगति को रेखांकित करते हैं, परंतु भविष्य की चुनौती इससे कहीं बड़ी है। बढ़ती बिजली माँग, उद्योगों की आवश्यकताओं और आधुनिक तकनीकी ढाँचे के विस्तार के अनुरूप उत्पादन तथा वितरण व्यवस्था को मजबूत करना होगा।

सौर ऊर्जा से घर-घर तक विकास का लाभ - ->प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने सौर ऊर्जा को आम परिवारों तक पहुँचाने की दिशा में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। घरों की छतों पर सौर संयंत्र स्थापित होने से उपभोक्ता अपनी बिजली की आवश्यकता का एक हिस्सा स्वयं पूरा कर सकते हैं। इससे बिजली बिल में राहत के साथ अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन की संभावना भी बढ़ती है। प्रधानमंत्री ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में रूफटॉप सौर ऊर्जा के विस्तार को विशेष महत्त्व दिया है। यह पहल ऊर्जा उत्पादन के पारंपरिक केंद्रीकृत मॉडल से आगे बढ़कर नागरिकों को ऊर्जा व्यवस्था का सहभागी बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण है। इसी प्रकार पीएम-कुसुम योजना किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई और कृषि उपयोग के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में यदि किसान अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए सौर संसाधनों का उपयोग बढ़ाते हैं, तो इससे कृषि लागत घटाने, सिंचाई व्यवस्था को अधिक सुविधाजनक बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। सौर ऊर्जा का वास्तविक सामाजिक प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब छोटे किसानों, मध्यम वर्गीय परिवारों और ग्रामीण क्षेत्रों तक इसका लाभ सहज रूप से पहुँचे।

ऊर्जा भंडारण और पारेषण की चुनौती

सौर और पवन ऊर्जा की उपलब्धता प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। सूर्यास्त के बाद सौर ऊर्जा उत्पादन बंद हो जाता है और हवा की गति में परिवर्तन से पवन ऊर्जा उत्पादन प्रभावित होता है। इसलिए केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। ऊर्जा को संग्रहित करने और आवश्यकता के समय उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी उतनी ही जरूरी है। बैटरी ऊर्जा भंडारण, पम्प्ड स्टोरेज परियोजनाएँ और आधुनिक विद्युत पारेषण नेटवर्क इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएँगे। प्रधानमंत्री ने भी ऊर्जा भंडारण और पारेषण में निवेश को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का महत्त्वपूर्ण आधार बताया है। भारत को ऐसे विद्युत ग्रिड विकसित करने होंगे, जो अलग-अलग राज्यों में उत्पादित सौर और पवन ऊर्जा को आवश्यकता वाले क्षेत्रों तक प्रभावी ढंग से पहुँचा सकें। इसके लिए तकनीकी उन्नयन, निवेश, भूमि उपलब्धता और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। ऊर्जा भंडारण की लागत कम करना भी एक बड़ी प्राथमिकता है।

हरित हाइड्रोजन से औद्योगिक परिवर्तन

भारत नवीकरणीय ऊर्जा सम्मेलन के साथ अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की नौवीं सभा और हरित हाइड्रोजन पर चौथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जा रहा है। इन तीनों आयोजनों का एक मंच पर आना भारत की व्यापक ऊर्जा दृष्टि को दर्शाता है। हरित हाइड्रोजन भविष्य में इस्पात, उर्वरक, रसायन, भारी परिवहन और अन्य ऊर्जा-गहन उद्योगों के लिए स्वच्छ ईंधन का विकल्प बन सकता है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत इस क्षेत्र में उत्पादन, तकनीकी विकास और निवेश की संभावनाएँ तलाश रहा है। इसके लिए नवीकरणीय ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता, इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण, भंडारण और परिवहन की व्यवस्था विकसित करनी होगी। यदि भारत इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी उत्पादन लागत हासिल कर लेता है, तो घरेलू उद्योगों के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

तकनीकी आत्मनिर्भरता और रोजगार का नया आधार

ऊर्जा परिवर्तन की सफलता के लिए घरेलू विनिर्माण क्षमता का विस्तार अनिवार्य है। सौर पैनल, बैटरी, इनवर्टर, पवन टरबाइन, इलेक्ट्रोलाइजर और ऊर्जा नियंत्रण प्रणालियों के निर्माण में भारत को अपनी तकनीकी क्षमता बढ़ानी होगी। केवल आयातित उपकरणों के सहारे दीर्घकालीन ऊर्जा आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप और उद्योगों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना होगा। सम्मेलन में आयोजित तकनीकी प्रदर्शनियों, उद्यमी संवादों और नवाचार संबंधी गतिविधियों से नए विचारों को औद्योगिक परियोजनाओं में बदलने का अवसर मिलेगा। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में इंजीनियरों, तकनीशियनों, अनुसंधानकर्ताओं और कुशल श्रमिकों के लिए रोजगार की नई संभावनाएँ भी विकसित होंगी। इस दृष्टि से कौशल विकास और प्रशिक्षण को ऊर्जा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाना आवश्यक है। वैश्विक दक्षिण के लिए सहयोग का अवसर - -> स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन केवल विकसित अर्थव्यवस्थाओं का विषय नहीं है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक विकासशील देश ऊर्जा की बढ़ती माँग और वित्तीय संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। भारत का अनुभव इन देशों के लिए उपयोगी हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन के माध्यम से सौर ऊर्जा के विस्तार, वित्तीय सहयोग और संस्थागत क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। भारत की भूमिका केवल तकनीक और उपकरण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विकासशील देशों को उनकी परिस्थितियों के अनुरूप समाधान विकसित करने में भी सहयोग देना चाहिए। इसके लिए वित्तीय संस्थानों, बहुपक्षीय संगठनों और निजी कंपनियों की साझेदारी जरूरी है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और निवेश का लाभ व्यापक मानव समुदाय तक पहुँचना चाहिए।

(लेखक- विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला')

मिलावटखोरी पर आफत बना शुद्ध ही शुभ है अभियान

उत्तर प्रदेश में मिलावटखोरों और नकली सामान बेचने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा शुद्ध ही शुभ है अभियान के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। त्योहारों विशेषकर दीपावली के मद्देनजर शुरू किए गए इस राज्यव्यापी अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों तक सुरक्षित भोजन और भरोसेमंद स्वास्थ्य उत्पाद पहुंचाना है।

खाद्य सुरक्षा की टीमों ने उत्तर प्रदेश के 38 जिलों और 17 मंडलों में फैले 260 से अधिक दुकानों और खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की है। इसके अलावा, 6 प्रमुख जिलों में 317 से अधिक होटलों और रेस्टोरेंट की गहन जांच की गई।

जांच के दौरान कई नामी प्रतिष्ठानों में हाइजीन (सफाई) की भारी कमी, एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों का इस्तेमाल, कीड़े-मकौड़ों व चूहों का संक्रमण और वेज-नॉनवेज को अलग न रखने जैसी गंभीर लापरवाहियां सामने आईं। कई जगहों पर मिठाइयां खुले में रखी मिलीं और पनीर में स्टार्च मिलाने के मामले भी पकड़े गए।नियमों का उल्लंघन करने पर कई दुकानदारों के लाइसेंस रद्द/निलंबित कर दिए गए हैं। संभल जैसे जिलों में छापेमारी कर करीब 820 किलो मिलावटी रसगुल्ले और 50 लीटर खराब दूध को मौके पर ही नष्ट कराया गया।

प्रदेश के विभिन्न बाजारों जैसे प्रतापगढ़, संभल, वाराणसी, आगरा, लखनऊ से खोया, घी, पनीर, छैना और सोनपापड़ी के सैकड़ों नमूने लेकर जांच के लिए लैब भेजे गए हैं। इसके साथ ही, गुलाब जल के नाम पर नशीले पदार्थ (ड्रग्स) बनाने वाले माफियाओं के खिलाफ भी सरकार ने सख्त एक्शन लिया है

आपको बता दें कि यूपी की राजधानी लखनऊ के नादरगंज स्थित महेश नमकीन प्रतिष्ठान में निरीक्षण के दौरान गंदगी, मकड़ी के जाले, कबूतरों की मौजूदगी और भंडारण संबंधी गंभीर खामियां मिलीं. स्थिति को देखते हुए विभाग ने तत्काल नमकीन उत्पादन पर रोक लगा दी. इसके अलावा 18 अन्य प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए सुधार नोटिस जारी किए गए. खाद्य पदार्थों और तलने वाले तेल के 19 नमूने भी जांच के लिए भेजे गए हैं.हापुड़ में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एनएच-9 पर चोटीवाला ढाबे के पास एक वाहन की जांच के दौरान 600 किलोग्राम पनीर बरामद किया. यह पनीर मुरादाबाद से दिल्ली बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था. जांच में पनीर गंदे बर्तनों में अखाद्य बर्फ के साथ अस्वच्छ परिस्थितियों में रखा मिला. खट्टेपन और दुर्गंध के कारण मिलावट की आशंका पर दो नमूने जांच के लिए लिए गए. शेष 597 किलोग्राम पनीर, जिसकी कीमत लगभग 1.81 लाख रुपये बताई गई, नियमानुसार गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया.

इसके अलावा हापुड़ जनपद में पिलखुवा क्षेत्र में एक गैर मानकीकृत कारखाने में नकली बंगाली मिठाई बनती पकड़ी गई 650 किलो मिठाई नष्ट करा दी गयी।

रायबरेली में नरेश स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट पर छापेमारी के दौरान तीन नमूने संग्रहित किए गए. खाद्य सामग्री की गुणवत्ता खराब मिलने पर 348 किलोग्राम बेसन और मिठाई, जिसकी कीमत करीब 48 हजार रुपये थी, मौके पर ही नष्ट कराई गई. साथ ही आवश्यक सुधार होने तक प्रतिष्ठान को बंद करा दिया गया.

रिपोर्ट्स के अनुसार खाद्य सुरक्षा जांच के साथ-साथ विधिक माप विज्ञान विभाग भी त्योहारों के दौरान बाजारों में सक्रिय है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ विशेष अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा, जबकि दूसरा चरण 2 से 5 नवंबर तक संचालित होगा. विभाग की टीमें मिठाई-गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल, घी, आटा, मैदा, सूजी, ज्वैलर्स प्रतिष्ठानों और पेंट कारोबारियों की जांच कर रही हैं. विशेष रूप से मिठाई के डिब्बों के वजन को मिठाई में जोड़कर अधिक कीमत वसूलने, एमआरपी से ज्यादा राशि लेने और माप-तौल में गड़बड़ी जैसी शिकायतों पर फोकस किया जा रहा है. खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के तहत त्योहारों के दौरान उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश में विधिक माप विज्ञान विभाग का विशेष जांच अभियान तेज कर दिया गया है. दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज और छठ जैसे प्रमुख पर्वों को देखते हुए विभाग की टीमें बाजारों में औचक निरीक्षण कर रही हैं. अभियान के तहत घटतौली, पैकेज्ड वस्तुओं पर अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) से अधिक वसूली और माप-तौल से जुड़ी अनियमितताओं पर विशेष नजर रखी जा रही है. 26 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अभियान 31 अक्टूबर तक पहले चरण में और 2 से 5 नवंबर तक दूसरे चरण में जारी रहेगा.मिठाई और गिफ्ट पैक, एलपीजी सिलेंडर, खाद्य तेल,

आठनेर में हनुमान मंदिर में तोड़फोड़: चांदी की आंख चोरी की कोशिश, 48 घंटे में आरोपी दबोचा '



यश भारत, आठनेर / बैतूल। बैतूल के थाना आठनेर पुलिस ने सार्वजनिक हनुमान मंदिर में घुसकर मूर्ति को क्षति पहुंचाने एवं चांदी की आंख चोरी का प्रयास करने वाले आरोपी को घटना के 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 1 नवंबर 2026 को फरियादी प्रजेश लांजीवार अपने साथ रमेश भलावी, प्रवीण लांजीवार, रविशंकर लांजीवार, महेश इवने एवं अन्य ग्रामीणों के साथ थाना आठनेर पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोपहर लगभग 3 बजे ग्राम का अनिल उइके हाथ में पत्थर लेकर सार्वजनिक हनुमान मंदिर में घुस गया तथा पत्थर से हनुमान जी की मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर चांदी की आंख निकालने का प्रयास करने लगा।फरियादी के चिल्लाने पर रमेश भलावी एवं विक्की नागवंशी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख आरोपी चांदी की एक आंख एवं पत्थर मंदिर में ही छोड़कर भाग गया। मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति की दाहिनी आंख क्षतिग्रस्त और मूर्ति टूटी अवस्था में मिली। आरोपी के इस कृत्य से ग्रामीणों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना आठनेर में अपराध क्रमांक 290/2026 धारा 331(3), 305(स्र), 62, 324(1) एवं 298 भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना आठनेर पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू की और आरोपी अनिल उइके पिता धाडू उइके, उम्र 34 वर्ष, निवासी ग्राम डूडर, थाना आठनेर को गिरफ्तार कर लिया।

सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र सिंह परिहार, उपनिरीक्षक मांगीलाल ठाकरे, सहायक उपनिरीक्षक संतोष कुमार धुर्वे, प्रधान आरक्षक 60 भजनलाल चौहान, आरक्षक 226 बीरबल मीणा, आरक्षक 499 मनीष पटेल, आरक्षक 447 राकेश मौर्य एवं महिला आरक्षक 497 ज्योति तुमराम की सराहनीय भूमिका रही।

ताप्ती घाट पर रात को थमे पहिए: सड़क पर रेंगता दिखा विशालकाय अजगर, देखने उमड़ी भीड़ '

यश भारत,बैतूल/खेड़ी सांवलीगढ़ । खेड़ी सांवलीगढ़ ताप्ती घाट खेड़ी सांवलीगढ़ पर रात के समय उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सड़क पर एक विशालकाय अजगर रेंगता हुआ दिखाईदिया। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, ट्रैफिक जाम लग गया।
जानकारी के अनुसार ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ निवासी शुभम गिरी जो ताप्ती की ओर से आ



रहे थे, उन्हें अचानक रास्ते में मार्ग पर रेंगता हुआ एक अजगर दिखाई दिया। इसके बाद कुछ देर के लिए तो वाहनों के पहिए थम गए। जब अजगर ने सड़क को क्रॉस किया, तब जाकर वाहन चालक वहां से रवाना हुए।
इस दौरान लोगों में दहशत और कौतूहल का माहौल बना रहा। यह दृश्य देखकर सभी भौंचक्के रह गए। ग्रामीणों ने कहा कि इतने बड़े अजगर को रात में सड़क पर देखना बेहद दुर्लभ है।

सारनी पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार

2 किलो गांजे के साथ 3 तस्कर दबोचे, स्कूटी समेत 80 हजार का माल जब्त, एक फरार

यश भारत, सारनी। बैतूल पुलिस द्वारा जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सारनी पुलिस ने गांजा तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर बेलौड रोड पर घेराबंदी

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में 2 नवंबर 2026 को सारनी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आमला-बेलौड रोड के रास्ते एक व्यक्ति स्कूटी से गांजा लेकर सारनी की ओर आ रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल बेलौड रोड पर पहुंचकर संदिग्ध स्कूटी को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान स्कूटी पर सवार शेख फरीद पिता शेख शहीद, उम्र 42 वर्ष तथा जासमीन शेख पति शेख फरीद, उम्र 35 वर्ष, दोनों निवासी वार्ड क्रमांक 3 सारनी के कब्जे से कुल 2.002 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये है। पुलिस ने गांजा एवं तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी क्रमांक स्क्क 48 स्क्क 8215 जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। थाना सारनी में अपराध क्रमांक 390/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की।

पूछताछ में तीसरा आरोपी भी पकड़ाया, एक अब भी फरार

विवेचना के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं उनके मेमोरेन्डम के आधार पर पुलिस ने मंगलवार को



भूरिया कश्यप पिता ननकू कश्यप, उम्र 40 वर्ष, निवासी राजेन्द्र नगर पाथाखेड़ा को भी गिरफ्तार कर लिया।
वहीं इस प्रकरण में दीपक पिता श्यामलाल कश्यप, उम्र 30 वर्ष, निवासी राजेन्द्र नगर पाथाखेड़ा फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों को न्यायालय बैतूल के समक्ष पेश किया जाएगा।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी सारनी निरीक्षक जयपाल इनवाती, उपनिरीक्षक बी.पी. बुदेला, उपनिरीक्षक मनोज उइके, प्रधान आरक्षक श्रीराम उइके, नीलेश मीना, आरक्षक मोहित भास्के, जितेन्द्र मोरे एवं आरक्षक वर्षा नागले की सराहनीय भूमिका रही।पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि नशा समाज एवं युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए गंभीर खतरा है। मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री एवं भंडारण की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर सूचना दें।

'नवागत एसपी एक्शन में: पहली क्राइम मीटिंग में दिए कड़े निर्देश, अवैध कारोबार पर लगेगा ब्रेक '

यश भारत, बैतूल। नवागत पुलिस अधीक्षक अमित सक्सेना ने मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी एसडीओपी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी एवं विभिन्न शाखाओं के प्रभारियों की पहली अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले की कानून व्यवस्था एवं अपराधों की विस्तृत समीक्षा कर अवैध गतिविधियों पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए।
बैठक में एएसपी कमलेश खरपुसे, एसडीओपी बैतूल सुश्री अन्नपूर्णा सिरसाम सहित सभी एसडीओपी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी, रक्षित निरीक्षक, विशेष शाखा प्रभारी एवं क्राइम सीन एक्सपर्ट उपस्थित रहे। एसपी ने अधिकारियों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्यक्षेत्र एवं दायित्वों की जानकारी ली।

एसपी ने दिए ये सख्त निर्देश

एसपी सक्सेना ने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने क्षेत्र में अवैध शराब, नकली शराब, जुआ-सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखें। सूचना मिलते ही तत्काल वैधानिक कार्रवाई करें। दीपावली पर्व को देखते हुए पटाखा एवं आतिशबाजी दुकानों की नियमित चेकिंग करें, विस्फोटक सामग्री के अवैध भंडारण एवं बिक्री पर विशेष निगरानी रखें।

सूचना तंत्र मजबूत करें

मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए सूचना तंत्र मजबूत करें, एनडीपीएस एक्ट के मामलों में साक्ष्य आधारित कार्रवाई सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण कर शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि सुनिश्चित करें।

गंभीर प्रकरणों की समीक्षा

एसपी ने लंबित गंभीर एवं पुराने आपराधिक प्रकरणों की नियमित समीक्षा, संवेदनशील क्षेत्रों एवं आपराधिक तत्वों पर विशेष नजर रखने और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अनुशासनहीनता एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी-कर्मचारी पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी से कर्तव्य निर्वहन करें। अच्छे कार्य करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा, वहीं लापरवाही पर वैधानिक एवं विभागीय कार्रवाई होगी।

पंच परिवर्तन पदयात्रा में पहुंचे संत सीताराम महाराज



यश भारत,रानीपुर/बैतूल। भारतीय संस्कृति, सामाजिक समरसता और नैतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश लेकर निकाली जा रही जन चेतना पंच परिवर्तन पदयात्रा में पूज्य संत श्री श्री 108 सीताराम जी महाराज के आगमन से श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण बन गया। गो ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति, रानीपुर के तत्वावधान में आयोजित इस पदयात्रा में संत सीताराम जी महाराज के शामिल होने पर पदयात्रियों, ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया। यह पदयात्रा पूज्य तपस्वी संत श्री श्री 1008 निक्कूदास जी महाराज की प्रेरणा से रानीपुर स्थित संत निक्कूदास आश्रम से प्रारंभ हुई है। लगभग 40 किलोमीटर की यह यात्रा कुठी, भोपाली, उंगरा, जामखोदर, बैल्लूड और बोरी सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरते हुए माता रेणुका धाम छावल, तहसील आमला पहुंचेगी।पदयात्रा का प्रमुख उद्देश्य समाज में पांच महत्वपूर्ण परिवर्तनों के प्रति जनजागरण करना है। इनमें सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन, स्वावलंबन और नागरिक कर्तव्यबोध शामिल है। यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों को आपसी भाईचारा बढ़ाने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने, परिवारों व संस्कारों को मजबूत बनाने तथा आत्मनिर्भर समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान नशामुक्त समाज के निर्माण, गौ माता के संरक्षण, भारतीय संस्कृति की रक्षा और पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने का संदेश दिया जा रहा है।

कटनी

लोकतंत्र की चिंता या वोट बैंक की लड़ाई

वोट चोरी के आरोपों पर कटनी में सियासी संग्राम

कांग्रेस हमलावर तो भाजपा भी मैदान में उतरी, युवा मतदाताओं पर भाजपा की नजर, सत्ता के खिलाफ नैरेटिव बनाने में जुटी कांग्रेस

कटनी, यशभारत। देश की राजनीति में इन दिनों वोट चोरी और लोकतंत्र की रक्षा का मुद्दा सियासी बहस के केंद्र में है। दिल्ली के रामलीला मैदान से लेकर मध्यप्रदेश के शहरों तक इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों के बीच शक्ति प्रदर्शन और आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इसकी आंच अब कटनी की सियासत में भी साफदिखाई देने लगी है। कांग्रेस जहां वोट चोरी के आरोपों को लेकर भाजपा पर लगातार हमलावर है, वहीं भाजपा भी इन आरोपों का जवाब देने के लिए संगठनात्मक गतिविधियों और जनसंवाद के जरिए मैदान में उतर चुकी है। दोनों दलों के बीच शुरू हुई यह राजनीतिक खींचतान केवल वैचारिक लड़ाई नहीं, बल्कि आने वाले चुनावों की जमीन तैयार करने की कवायद भी मानी जा रही है।



वोट चोरी को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन की झलक।



भाजपा की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा।

दो दिन पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली में कटनी से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। पार्टी ने वोट बचाओए लोकतंत्र बचाओ अभियान के जरिए भाजपा के खिलाफ अपना राजनीतिक संदेश बुलंद किया। दूसरी ओर भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जबलपुर में आयोजित पदयात्रा में भागीदारी कर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने की कोशिश की। भाजपा ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ अपनी रणनीति को आगे बढ़ाया है। जाहिर है कि अब लोकतंत्र और मतदाता के अधिकारों की बहस राजनीतिक दलों के लिए जनसमर्थन जुटाने का बड़ा माध्यम बनती जा रही है।

युवा मतदाता भाजपा की रणनीति के केंद्र में

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प पहलू युवा मतदाताओं को लेकर भाजपा की सक्रियता है। जिले की चारों विधानसभा सीटों पर युवा मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। बदलते राजनीतिक माहौल में जेन-जी और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं का रुख राजनीतिक दलों के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। भाजपा को भी इस वर्ग की राजनीतिक सोच और बदलते नजरिए को लेकर गंभीरता से काम करने की जरूरत महसूस हो रही है। यही वजह है कि पार्टी विचार गोष्ठियों, महाविद्यालयों में संवाद और पदयात्राओं के माध्यम से युवाओं तक पहुंचने की रणनीति पर काम कर रही है। भाजपा की कोशिश है कि वोट चोरी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष की ओर से बनाए जा रहे राजनीतिक नैरेटिव का जवाब सीधे जनता के बीच जाकर दिया जाए। इसके लिए जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में संवाद और विचार गोष्ठियों का सिलसिला शुरू किया जा रहा हैए जिसे आगे मंडल स्तर तक ले जाने की तैयारी है। पार्टी नेतृत्व की मंशा है कि भाजपा के नेता और जनप्रतिनिधि जनता के बीच जाकर अपना पक्ष रखें और विपक्ष के आरोपों का राजनीतिक जवाब दें।

कांग्रेस के लिए मुद्दा, भाजपा के लिए चुनौती

दूसरी ओर कांग्रेस इस मुद्दे को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी से मिलने वाले निर्देशों के अनुरूप जिला संगठन लगातार सक्रियता दिखा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदाताओं के अधिकारों के साथ खिलवाड़ कर सत्ता हासिल की है। पार्टी इस मुद्दे को केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जोड़कर जनता के बीच ले जाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस की रणनीति भाजपा के खिलाफ एक व्यापक राजनीतिक माहौल तैयार करने की है। वहीं भाजपा इस अभियान को विपक्ष की राजनीतिक हताशा और अराजकता की राजनीति के रूप में प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में दोनों दलों के बीच असली मुकाबला केवल आरोप लगाने या जवाब देने का नहींए बल्कि जनता के मन में अपनी बात को विश्वसनीय साबित करने का होगा।

चुनावी कैलेंडर ने बढ़ाई राजनीतिक सक्रियता

इस सियासी सरगर्मी के पीछे आने वाले चुनावों का गणित भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2027 में नगर निगम चुनाव प्रस्तावित हैंए 2028 में विधानसभा और 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं। यानी अगले तीन वर्षों में मतदाताओं को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले लेने हैं। ऐसे में अभी से शुरू हुई राजनीतिक गतिविधियों को चुनावी तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। कटनी जिले का संसदीय राजनीतिक गणित भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। जिले की तीन विधानसभा सीटें खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में आती हैं, जबकि बड़वारा विधानसभा शहडोल संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है। लंबे समय से कटनी को पृथक लोकसभा क्षेत्र बनाए जाने की मांग भी उठती रही है। भविष्य में परिसीमन की प्रक्रिया और संसदीय क्षेत्रों के संभावित पुनर्गठन के साथ यह मांग फिर राजनीतिक बहस का विषय बन सकती है।

चुनावों के पहले बिछ रही बिसात

दरअसल मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में कांग्रेस और भाजपा दोनों के सामने अपनी.अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की चुनौती है। कांग्रेस वोट चोरी के मुद्दे के जरिए भाजपा सरकार के खिलाफ जनमत तैयार करना चाहती है, जबकि भाजपा इस अभियान का जवाब देकर अपने समर्थक वर्ग को एकजुट रखने और नए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश में है। कटनी की राजनीति में यह लड़ाई आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। खासकर तब, जब नगर निगम चुनाव नजदीक आएंगे और स्थानीय मुद्दे राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श के साथ जुड़ने लगेंगे। सवाल यह भी है कि क्या वोट चोरी और लोकतंत्र की बहस आम मतदाता के रोजमर्रा के मुद्दों पर भारी पड़ेगी या फिर सड़क, पानी, यातायात, रोजगार और स्थानीय विकास जैसे सवाल चुनावी परिणामों की दिशा तय करेंगे। फिलहाल दोनों प्रमुख राजनीतिक दल लोकतंत्र की रक्षा का दावा करते हुए अपने-अपने तरीके से जनता के बीच पहुंच रहे हैं। लेकिन इस सियासी संग्राम का अंतिम फैसला नारों, रैलियों और पदयात्राओं से नहीं, बल्कि मतदाता के विश्वास से ही होगा।

पटाखों के दाम बढ़े डिमांड भी कई गुना बढ़ी

इको-फ्रेंडली पटाखे पहली पसंद, बटरफ्लाय, ग्रीन कैकर्स और फैंसी आइटम फर्स्ट च्वाइस





कटनी, यशभारत। दीपावली पर्व की तैयारियों के बीच पटाखा दुकानों के लिए अस्थायी लाईसेंस जारी किए जा रहे हैं। इस बार कटनी में तीन स्थानों पर पटाखा बाजार लगेगा। इसमे पुलिस लाइन होमगार्ड मैदान झिंझरी, एनकेजे और इमलिया रोड शामिल है। दुकानों के लाईसेंस 15 दिनों के लिए दिए जाएंगे। पटाखा की दुकानें 6 नवंबर धनतेरस से शुरू होकर एकादशी तक लगाई जा सकेंगी। दीवाली हो और शहर में रोशनी के साथ पटाखों की गूंज न हो, ऐसा संभव नहीं है। इस बार दिवाली पर पटाखों की डिमांड काफी अधिक है। पटाखा व्यापारियों की मानें तो पिछले साल की अपेक्षा इस साल पटाखा के दामों में 20 से 25 प्रतिशत तक की बढ़ोत्तरी हुई है। विक्रेताओं के मुताबिक पिछले साल की तुलना में इस बार पटाखों की कीमतों में वृद्धि के बावजूद दीपावली के जोश में कमी नहीं है। ग्राहकों का कहना है कि कीमतें बढ़ी जरूर हैं लेकिन त्योहार पर थोड़े बहुत पटाखा फोड़ना तो बनता ही है।

ग्रीन और इको-फ्रेंडली पटाखे मचाएंगे धूम

पटाखा विक्रेताओं का कहना है कि इस बार बाजार में कई बड़े ब्रांड के ग्रीन और इको-फ्रेंडली पटाखे उपलब्ध हैं। पिछले दो वर्षों से ग्रीन पटाखों का चलन बढ़ा है। इस वर्ष भी ग्राहकों की पहली पसंद यही बन रहे हैं। इसके अलावा पारंपरिक फुलझड़ी से लेकर नए डिजाइन वाले इको-फ्रेंडली क्रेकर्स की पूछपरख ज्यादा है। इस बार नए पटाखों में हवा में उड़कर दगने वाले पटाखों में हेलीकॉप्टर, बटरफ्लाई, फोटो फ्लैश, आसमानी शॉट, ओलंपिक टार्च, बोफोर्स तोप जैसी तोप सहित शेर, बत्तख व ट्री अनार उपलब्ध हैं। बच्चों के लिए फुलझड़ी, पॉप-पॉप, चरखी, माचिस समेत कम आवाज वाले पटाखे बिक रहे हैं। इस बार फैंसी आइटम की नई श्रृंखला आ चुकी है, जिसकी मांग बहुत ज्यादा बताई जा रही है।

क्या कहते हैं पटाखा व्यवसायी

पटाखा व्यवसायी ललित जायसवाल ने बताया कि सुतली बम और स्काय शॉट्स जैसे कुछ आइटम की डिमांड ज्यादा रहती है। युवा वर्ग एटम बम फोड़ना ज्यादा पसंद करता है, जबकि बच्चों के लिए भी कई आयटम ऐसे हैं, जो उन्हें लुभा रहे हैं। पटाखा व्यवसायी अभिषेक शर्मा ने बताया कि इस बार बाजार में वंडर थ्रो नाम से पॉल्यूशन फ्री पटाखे भी आए हैं। इन्हें हाथ से फेंकने पर ये फूटते हैं और जोरदार साउंड के बावजूद धुआं नहीं छोड़ते। ये पटाखे ग्राहकों को खूब भा रहे हैं। बच्चों में कारतूस वाली रिंग कैप और पॉप अप की भी जबर्दस्त डिमांड है।

दीपावली से पहले फायर ब्रिगेड की पेट्रोलिंग

कटनी, यशभारत। दीपावली पर बाजारों में बढ़ती भीड़ और पटाखा दुकानों के बीच आगजनी की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने अग्निशमन व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। निगमायुक्त तपस्या परिहार के निर्देश पर अग्निशमन और अतिक्रमण विभाग की संयुक्त टीम ने फायर ब्रिगेड वाहन के साथ शहर के प्रमुख मार्गों पर पेट्रोलिंग कर रास्तों की स्थिति का जायजा लिया। सिविल लाइन फायर कार्यालय से शुरू हुई पेट्रोलिंग के दौरान लक्ष्मीबाई चौराहा, मोहन टॉकीज, स्टेशन रोड, बरही रोड, खिरहनी फाटक ओवरब्रिज, गर्ग चौराहा, घंटाघर और जगन्नाथ चौक सहित प्रमुख बाजार क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया।
सहायक फायर प्रभारी शैलेन्द्र कुमार दुबे के अनुसार, पेट्रोलिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आगजनी की स्थिति में फायर ब्रिगेड को घटनास्थल तक पहुंचने में अतिक्रमण या भीड़ के कारण परेशानी न हो। दुकानों और अस्थायी व्यावसायिक गतिविधियों से संकरे हो रहे रास्तों पर भी नजर रखी जा रही है। निगम प्रशासन के मुताबिक, दीपावली तक यह अभियान जारी रहेगा। हालांकि, असली परीक्षा त्योहार के दौरान होगी, जब बाजारों में भीड़ और वाहनों का दबाव बढ़ेगा। ऐसे में जरूरी है कि केवल पेट्रोलिंग ही नहीं, बल्कि बाधित मार्गों को समय रहते खाली भी कराया जाए।

जिला प्रशासन द्वारा सभी सुझावों पर गंभीरता से विचार करने का दिया आश्वासन

औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों से कलेक्टर ने की मुलाकात

नर्मदापुरम(यश भारत)

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने एमपीआईडीसी के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में विकसित हो रहे औद्योगिक अधोसंरचना कार्यों तथा औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकताओं के संबंध में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ परिचर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रतिनिधियों से औद्योगिक क्षेत्र के विकास, संस्थानों के संचालन में आ रही समस्याओं तथा आवश्यक सुविधाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए।



सुझावों को प्राथमिकता

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों को गंभीरता एवं सकारात्मकता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि बैठक में प्राप्त सुझावों पर प्राथमिकता से विचार कर जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों की स्थापना एवं संचालन के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र तथा अन्य शासकीय प्रक्रियाओं में जिला प्रशासन द्वारा पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि उद्यमियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

सुरक्षा और मेडिकल पर ध्यान

कलेक्टर ने ईई एमपीआईडीसी को निर्देशित किया कि उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर विशेष रूप से कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में जोखिमपूर्ण गतिविधियों एवं संभावित दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए फायर ब्रिगेड स्टेशन शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही औद्योगिक क्षेत्र में मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाए। उन्होंने स्ट्रीट लाइट एवं ड्रेनेज व्यवस्था की नियमित समीक्षा करने तथा आवश्यकतानुसार मेंटेनेंस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कचरा प्रबंधन पर जोर

बैठक में औद्योगिक संस्थानों से निकलने वाले सामान्य अपशिष्ट के उचित प्रबंधन के लिए एमपीआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र में कचरा वाहन संचालित करने का सुझाव भी प्रतिनिधियों द्वारा दिया गया। कलेक्टर ने इस सुझाव पर भी आवश्यक विचार करने के निर्देश दिए।

विद्यार्थियों की सहभागिता

कलेक्टर ने औद्योगिक संस्थानों से कहा कि वे औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के विद्यार्थियों को ऑन द जॉब ट्रेनिंग उपलब्ध कराएं, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो और वे उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार के लिए तैयार हो सकें। उन्होंने प्राचार्य आईटीआई को निर्देशित किया कि औद्योगिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप संस्थान में नए पाठ्यक्रम शामिल करने की संभावनाओं पर कार्य करें तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए शासन को प्रस्ताव भी प्रेषित करें।

बैठक में कार्यकारी संचालक एमपीआईडीसी संदीप अस्थाना, महाप्रबंधक जिला उद्योग विकास विभाग नवीन शुक्ला सहित औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नाराज पार्षदों ने सीएमओ को घेरा

अधिकारी और पार्षदो के बीच खीचा तानी, पक्षपात का लगा आरोप

इटारसी यश भारत

नगर पालिका परिषद में अब भाजपा के पार्षद ही अपनी ही परिषद के सीएमओ की कार्यशैली से परेशान हो गए हैं। अपने-अपने वार्डों में होने वाले निर्माण विकास कार्यों के साथ ही वार्ड में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सफाई पानी, बिजली के काम महीनों से लंबित होने से नाराज तीन वार्डों के भाजपा पार्षदों ने मंगलवार को सीएमओ के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त कर विरोध दर्ज कराया। पार्षदों के इस विरोध के बाद परिषद की कार्यशैली भी सवाल खड़े हो रहे क्योंकि यह कोई पहली दफा नहीं है जब अपनी परिषद के खिलाफ पार्षद मुखर हुए ही क्योंकि इसके पूर्व भी पार्षदों द्वारा नगर पालिका के खिलाफ मोर्चा खोला जा चुका है।

क्या है मामला

नगर पालिका में प्रशासनिक अफसरों की कार्यशैली को लेकर नगर पालिका के पार्षद ही खासे नाराज हैं। सीएमओ सुरेखा जाटव की कार्यशैली से नाराज पार्षद कुन्दन गौर, अमित विश्वास अपने समर्थकों के मंगलवार को सीएमओ कार्यालय पहुंचे। पार्षदों का आरोप था कि वे कई महीनों से अपने वार्डों में नाली निर्माण, सड़क मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और पेयजल से जुड़ी समस्याओं को लेकर आवेदन दे रहे हैं, लेकिन नगर पालिका के सीएमओ इंजीनियर और संबंधित अधिकारी उनकी एक नहीं सुन रहे। फाइलें दफ्तरों में धूल खा रही हैं। पार्षदों ने कहा कि वार्ड में जनता उन्हें कोसती है, जबकि अधिकारी फोन तक उठाने को तैयार नहीं हैं। भाजपा की परिषद होने के बावजूद यदि भाजपा पार्षदों के वार्डों में ही काम नहीं होंगे तो आम जनता का क्या होगा। इस दौरान सीएमओ कार्यालय में तीखी प्रक्रिया व्यक्त की। पार्षद कुन्दन गौर ने कहा है कि हमारे वार्ड क्षेत्र में विकास कार्यों के साथ ही रोजमर्रा की साफ-सफाई से लेकर मूलभूत सुविधाएं देने में नगर पालिका कार्यालय में पदस्थ सीएमओ सुरेखा जाटव के द्वारा भेदभाव किया जाता है। जिसके चलते हमारे वार्ड क्षेत्र मैं निवासरत लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और हम सभी पार्षद मिलकर भी उनकी छोटी-छोटी शिकायतों का निराकरण नहीं कर पा रहे हैं। पार्षद अमित विश्वास ने भी सीएमओ की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि सीएमओ की लापरवाही के चलते वार्ड में होने वाले निर्माण ओर विकास कार्यों में अवरोध उत्पन्न हो रहा है। वॉर्ड की समस्या को लेकर हमनें कई बार शिकायत की लेकिन निराकरण नहीं हुआ। अपने वार्ड की समस्या को लेकर पार्षद जिम्मी कैथवास भी जाने वाले थे लेकिन किन्हीं कारणों के चलते वह भी पहुंच सके।

अपनी परिषद के खिलाफ मुखर पार्षद

नगर पालिका की कार्यशैली को लेकर पार्षदों का मुखर होने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पूर्व भी सभापति सहित भाजपा पार्षद परिषद के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा चुके हैं। एक पार्षद का कहना था कि अधिकारी हमारी सुनते तक नहीं है जिसके कारण हम अपने वार्ड में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य तक नहीं करा पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में हमें जनता के बीच जाने तक में शर्म आती है। क्योंकि हम जनता की कसौटी पर खरे तक नहीं उतर पा रहे हैं।



पुलिस कप्तान के दिशा निर्देशन में कोतवाली पुलिस की जबर्दस्त कार्रवाई

ज्वेलर्स की दुकान से 65 लाख के जेवरात चुराने वाली नकाबपोश महिला गिरफ्तार

नर्मदापुरम, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के कुशल नेतृत्व में कोतवाली टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने 65 लाख रूपए के सोना चांदी के जेवरात चुराने वाली नकाबपोश महिला को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने बताया कि 2 नवंबर 2026 को फरियादी आशीष कुमार जैन द्वारा रिपोर्ट कराई गई, कि रघुनाथ गली स्थित उनकी 'राज ज्वेलर्स' दुकान पर चेहरे पर स्कार्फ बांधी एक अज्ञात महिला ग्राहक बनकर आई। चर्म रोग का बहाना बनाकर स्कार्फ हटाने से इंकार करने वाली इस महिला ने पहले मंगलसूत्र का पेंडल देखा और एटीएम से पैसे लाने का कहकर चली गई। करीब 15 मिनट बाद वापस लौटकर उसने कान के टॉप्स दिखाने को कहा और जैसे ही फरियादी उन्हें लेने बेसमेंट के स्टोर रूम में गए, महिला ने बाहर से



दरवाजा बंद कर काउंटर की दराज से सोने-चाँदी के आभूषणों के डिब्बे चुराकर फरार हो गई। उक्त रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्र. 1052/2026, धारा 305 (a), 127(2) BNS 2023 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आरोपिया की तलाशी हेतु थाना कोतवाली में पृथक-पृथक टीमें गठित की गईं। टीमों ने घटनास्थल और आसपास के मार्गों पर लगे लगभग 250 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालते हुए तकनीकि साक्ष्य एकत्रित किये। इटारसी और नर्मदापुरम के कैमरा फूटेज को खंगालते हुए संदिग्ध महिला को चिन्हित किया गया। पुलिस टीम द्वारा तत्काल इटारसी पहुंचकर, घेराबंदी कर उक्त महिला को पुलिस अभिरक्षा में लिया।

सड़क दुर्घटना में 78 भेड़ों की मृत्यु एवं 34 भेड़ें घायल, लगभग 9 लाख रुपये का नुकसान

78 भेड़ों की मृत्यु के मामले में ट्रक चालक को मय वाहन पकड़ा

बुधनी पुलिस की त्वरित कार्रवाई

नर्मदापुरम/ बुधनी, यशभारत।

सीहोर जिले की पुलिस कप्तान सुश्री सोनाक्षी सक्सेना के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में एसडीओपी रवि शर्मा के कुशल नेतृत्व में थाना बुदनी टी आई सुनील ठाकुर ओर उनकी टीम ने सड़क दुर्घटना के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक को मय वाहन पकड़कर कार्यवाही की। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि 03 नवंबर 2026 को फरियादी हेमराज पिता बद्रीलाल



पाल, निवासी थाना गाठोली, जिला झालावाड़ (राजस्थान) द्वारा थाना बुदनी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपनी भेड़ों को लेकर राजस्थान से नर्मदापुरम की ओर जा रहा था।इस दौरान सुबह करीब 06:30 बजे नेशनल हाईवे-46 पर मिडघाट घाटी के पास ट्रक क्रमांक एच्छ 27 डब्लू 9671 के चालक द्वारा तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर उसकी भेड़ों को टक्कर मार दी गई। जिसमें 78 भेड़ों की मौके पर मृत्यु हो गई तथा 34 भेड़ें घायल हो गईं। घटना में फरियादी को लगभग 9 लाख रुपये की आर्थिक क्षति हुई। मामले में बुधनी थाना टी आई सुनील ठाकुर ने बताया कि त्वरित कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक का पीछा कर उसे मय ट्रक के पकड़कर थाने लाया गया। मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।थाना बुदनी पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विवेचना जारी है।



जिला स्तरीय युवा संसद में छात्रा चंचल यदुवंशी ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

नर्मदापुरम/ सिवनीमालवा, यशभारत। शासकीय कन्या महाविद्यालय के लिए यह अत्यंत हर्ष एवं गौरव का विषय है कि महाविद्यालय की बी.ए. द्वितीय वर्ष की प्रतिभाशाली छात्रा कु. चंचल यदुवंशी ने जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है।इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार में हर्ष का वातावरण है। छात्रा की इस सफलता को उसकी मेहनत, लगन, आत्मविश्वास एवं उत्कृष्ट प्रतिभा का परिणाम बताया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार धुर्वे ने छात्रा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच, अभिव्यक्ति कौशल एवं लोक तांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करती हैं।महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने भी कु. चंचल यदुवंशी को इस शानदार उपलब्धि पर शुभकामनाएँ दीं।

रसूख दार महिलाएं चला रही हैं योजना, ग्रामीण अंचल में नहीं पहुंचते, जांच अधिकारी

बच्चों के मध्यान भोजन पर डाका, मेन्यू के हिसाब से भोजन नहीं

सोहागपुर(यश भारत)

ग्रामीण अंचलों के सरकारी स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना भ्रष्टाचार और राजनीतिक रसूख की भेंट चढ़ गई है। सूत्रों के हवाले से खबर मिली हैं कि सोहागपुर के आस-पास के अधिकांश गांवों में बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं परोसा जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की इन दूरस्थ गांवों में कम आवाजाही का सीधा फायदा उठाकर स्व-सहायता समूह मनमानी और घोर लापरवाही कर रहे हैं, जिससे बच्चों के स्वास्थ्य और उनके अधिकारों के साथ खुला खिलवाड़ हो रहा है।

जमीनी हकीकत यह है कि कई स्कूलों में मध्याह्न भोजन संचालन का जिम्मा ऐसी महिलाओं के हाथों में है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी पार्टी या प्रभावशाली राजनीतिक खेमों से जुड़ी हुई हैं। इसी राजनीतिक रसूख और सत्ता की हनक के चलते न तो स्कूल के शिक्षक और न ही जांच अधिकारी इनसे उलझने की हिम्मत जुटा पाते हैं। विरोध के अभाव में यह मनमानी एक अघोषित नियम बन चुकी है।



बच्चों के भविष्य और उनके पोषण से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर अब प्रशासन को अपनी आंखें खोलनी होंगी। इन ग्रामीण स्कूलों की निरंतर और औचक जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। साथ ही, सत्ता की आड़ में बच्चों के निवाले पर डाका डालने वाली इन रसूखदार महिलाओं और समूहों के खिलाफ बिना किसी राजनीतिक दबाव के सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि स्कूलों में जवाबदेही तय की जा सके और नौनिहालों को उनका पूरा हक मिल सके।



एनआईटी में चयन पर टीटीई की पुत्री को 40 हजार का लैपटॉप प्रदान किया

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। रेल कर्मचारियों के परिवारों की मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेल द्वारा केंद्रीय कर्मचारी हित निधि के माध्यम से एक सराहनीय पहल की गई है। इसी क्रम में इटारसी में कार्यरत टीटीई प्रमोद कुमार चौरसिया की सुपुत्री कु. आसिता चौरसिया का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में चयन होने पर उन्हें ?40,000 मूल्य का लैपटॉप प्रदान किया गया।केंद्रीय कर्मचारी हित निधि समिति की आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, वर्ष 2026-27 में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाली पात्र रेल कर्मचारियों की पुत्रियों को लैपटॉप प्रदान कर प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना का उद्देश्य मेधावी छात्राओं को उच्च शिक्षा के दौरान डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराना तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति को सहयोग देना है।कार्यक्रम में सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) वाई.बी. गुप्ता, कल्याण निरीक्षक मधुर सुनहरे, जोनल केंद्रीय कर्मचारी हित निधि सदस्य संतोष चतुर्वेदी एवं मंडल कर्मचारी हित निधि सदस्य तरुण शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहे।यह पहल रेल कर्मचारियों के परिवारों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा उनके बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में कर्मचारी कल्याण के प्रति रेल प्रशासन की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एसपी कार्यालय में लगा जनता दरबार

पुलिस कप्तान ने साप्ताहिक जनसुनवाई में सुनी आमजनों की शिकायतें

नर्मदापुरम, यशभारत। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनी,और उनके निराकरण करने संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये।इस दौरान कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें मुख्य रूप से पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी मामले, धोखाधड़ी एवं अन्य व्यक्तिगत शिकायतें शामिल थीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को अत्यंत गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को संबंधित प्रकरणों में तत्काल जांच कर नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।



घर में हुए विस्फोट में,युवक हुआ घायल, इलाज के दौरान मौत

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। शहर के नाला मोहल्ला स्थित भगत सिंह नगर में हुए विस्फोट में गंभीर रूप से घायल 23 वर्षीय युवक अनिकेत ने आखिरकार अल सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। हादसे में युवक का एक हाथ का पंजा कटकर अलग हो गया था और शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए थे। शहर के निजी अस्पताल में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझ रहे अनिकेत की मौत के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।हादसे के बाद गंभीर हालत में अनिकेत पिता संजू (23 वर्ष) को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।



उपचार कर रहे डॉ. अचलेश्वर दयाल ने बताया कि विस्फोट के वक्त ही घर पर अत्यधिक खून बह चुका था। युवक की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था और तीन बोतल खून भी चढ़ाया गया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव और गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। अलसुबह युवक ने अंतिम सांस ली। घटना के वक्त अनिकेत घर पर अकेला था और परिवार के अन्य सदस्य बाजार गए हुए थे। भाई सौरभ के अनुसार, अनिकेत छोटे गैस सिलेंडर पर खाना बना रहा था, तभी अचानक यह भीषण विस्फोट हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि अनिकेत का एक हाथ का पंजा कटकर अलग हो गया।

जिले के पुलिस कप्तान ने किया रक्षित केंद्र एवं कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम, यशभारत। जिले के नवागत पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रक्षित केंद्र एवं पुलिस कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान श्री शुक्ला ने रक्षित केंद्र की शाखाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को कड़े निर्देश दिए। कंट्रोल रूम में संचालित साइबर फॉरेंसिक यूनिट का निरीक्षण करते हुए पुलिस कप्तान श्री शुक्ला ने अधिक से अधिक अपराधों के ट्रेसिंग एवं निराकरण में साइबर फॉरेंसिक का उपयोग कर आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सीसीटीएनएस,लैब का निरीक्षण कर सीसीटीएनएस पोर्टल से संबंधित सभी कार्यवाहियों को समय पर एवं शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।

सीसीटीवी एवं डायल 100 कक्षः सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर शहर के सभी प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर स्थापित कैमरों की स्थिति की जानकारी ली गई । शहर में 24 घंटे कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। डायल 100 कक्ष के निरीक्षण के दौरान पीड़ित व्यक्तियों की सहायता हेतु सूचना मिलते ही डायल 100 वाहन को त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचने हेतु सख्त हिदायत दी गई।



शाखाओं का निरीक्षण एवं स्वच्छता

रक्षित केंद्र परिसर की स्वच्छता व्यवस्था, गार्ड रूम, रोजनामचा रूम, स्टोर शाखा, आर्मरी (शस्त्रागार) शाखा, वेतन शाखा एवं रीडर शाखा का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। परिसर में उच्च स्तरीय स्वच्छता बनाए रखने तथा वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा चाही गई जानकारियों व पत्राचार को समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।एमटी शाखा एवं जिम में पहुंचकर शासकीय वाहनों की भौतिक स्थिति का जायजा लिया गया एवं वाहनों का समय-समय पर मेंटेनेंस (रखरखाव) कराने के निर्देश दिए गए ताकि आपात स्थिति में वाहनों के संचालन में कोई बाधा न आए।

कोर्ट में आदिवासी महिलाओं का हंगामा, वन विभाग पर निर्दोष को फंसाने का आरोप

सोहागपुर (यश भारत)

सोहागपुर कोर्ट परिसर में बड़ी संख्या में आदिवासी महिलाओं ने धरना-प्रदर्शन कर भारी हंगामा किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि लगभग एक सप्ताह पहले हुई एक सांभर की मौत के मामले में वन विभाग ने राजनीतिक दबाव में आकर गोपाल वादिवा नामक निर्दोष व्यक्ति को जबरन फंसाया है।



जबरन फसाया -ग्रामीणों के अनुसार, गोपाल पिछले 15 वर्षों से और उनकी पत्नी किरण 5 वर्षों से गाइड के रूप में काम कर रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि किरण ने हाल ही में क्षेत्र में हुए शराबबंदी



आंदोलन में मुख्य भूमिका निभाई थी, और इसी आंदोलन की रंजिश के चलते बदले की भावना से उनके पति को इस झूठे मामले में घसीटा गया है। गौर तलब रहे कि इस क्षेत्र में लगातार शराब विक्रेताओं के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा हैं, और शराब पर पूरी तरह बैन लगाने की मांग की जा रही हैं,

जांच पर सवाल

प्रदर्शनकारियों ने वन विभाग की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गाँव की एक प्रत्यक्षदर्शी महिला का दावा है कि उसने अर्जुन सराठे नामक व्यक्ति को सांभर के सींग और अन्य तांत्रिक सामग्री (नींबू आदि) फेंकते हुए अपनी आँखों से देखा था। घटनास्थल पर जब डॉग स्क्वायड की टीम ने जांच की, तो खोजी कुत्ता भी दो बार अर्जुन सराठे के घर पहुंचा था। इसके बावजूद वन विभाग की टीम ने मुख्य संदिग्ध को छोड़कर गोपाल को गिरफ्तार कर लिया, जिससे विभाग की भूमिका बेहद संदिग्ध लग रही है। इस पूरे घटनाक्रम ने विपक्ष को भी कहने का मौका दे दिया हैं, कांग्रेस नेता पुष्पराज पटेल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ,यह कार्रवाई पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है ,और शराबबंदी का समर्थन करने वाली आदिवासी महिलाओं की आवाज को दबाने की एक सोची-समझी साजिश है। कांग्रेस नेता का यह बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा हैं , अब देखना यह हैं कि पूरे मामले को शासन किस तरह देखती हैं, आरोप गंभीर हैं जांच कब और कैसे शुरू होती हैं यह देखना रोचक होगा क्योंकि पूरे मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया हैं द्य

अनिल शर्मा और त्रिलोक नायडू बने एमपीसीए के मैच रेफरी





जबलपुर,यशभारत। जबलपुर जिले के क्रिकेट इतिहास में पहली बार दो खिलाड़ियों ने मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) की मैच रेफरी नियुक्ति के लिए आयोजित कठिन परीक्षा उत्तीर्ण कर जिले को गौरवान्वित किया है। जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के सक्रिय सदस्य अनिल शर्मा और त्रिलोक नायडू ने आईसीसी और बीसीसीआई के निर्धारित पैटर्न पर आयोजित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। अनिल शर्मा ने परीक्षा में 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि त्रिलोक नायडू ने 65 से 70 प्रतिशत के बीच अंक अर्जित कर सफलता हासिल की। अनिल शर्मा का क्रिकेट से जुड़ा लंबा अनुभव रहा है। वे एमपीसीए की ओर से बोर्ड ट्रॉफी में खिलाड़ी के रूप में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा वे लेवल-वन कोच, स्टेट पैनल अंपायर भी हैं। उन्होंने जबलपुर संभागीय क्रिकेट की जूनियर एवं सीनियर टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। वे चयन समिति के सदस्य रहने के साथ ही जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। क्रिकेट के विभिन्न क्षेत्रों में उनके अनुभव का लाभ अब मैच रेफरी के रूप में भी मिलेगा। वहीं त्रिलोक नायडू भी क्रिकेट के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उत्कृष्ट विकेटकीपर रहे त्रिलोक ने जबलपुर जिला क्रिकेट संघ (जेडीसीए) की विभिन्न आयु वर्ग की टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। वर्तमान में वे कोचिंग कमेटी के सदस्य होने के साथ सक्रिय अंपायर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मैच रेफरी की परीक्षा उत्तीर्ण करना उनके क्रिकेट करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। दोनों खिलाड़ियों की इस सफलता पर जबलपुर संभागीय क्रिकेट संघ के अध्यक्ष निशिथ भाई पटेल, अध्यक्ष निलेश अवस्थी, उपाध्यक्ष नितिन भाटिया, मनोज राय, धर्मेश भाई पटेल सहित संघ के सभी पदाधिकारियों, ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

रणजी ट्रॉफी में बड़ा बवाल, मैच से दो दिन पहले पूरी टीम बदल, मैदान पहुंचकर पुराने खिलाड़ी लौटे

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी में मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अंदर चल रही आपसी खींचतान का असर अब मैदान तक पहुंच गया है। नागालैंड के खिलाफ प्लेट डिवीजन के मुकाबले से ठीक पहले मेघालय की पूरी टीम बदल दिए जाने से क्रिकेट जगत में हड़कंप मच गया। मैच शुरू होने से महज दो दिन पहले नई टीम का ऐलान किया गया। हैरानी की बात यह रही कि पिछले तीन मुकाबलों में मेघालय का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी मैदान पर पहुंचे, लेकिन नई टीम को देखकर अपना किट बैग लिया, खिलाड़ियों से मुलाकात की और शुभकामनाएं देकर वापस लौट गए। इस अप्रत्याशित घटनाम ने घरेलू क्रिकेट में टीम चयन और क्रिकेट संघों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इस विवाद की जड़ मेघालय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष जेम्स संगमा और सचिव रेनॉल्ड खार्कमनी के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान बताई जा रही है। खार्कमनी को राज्य की अंडर-23 महिला टीम की खिलाड़ियों से जुड़ी यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने अपने निलंबन को मेघालय हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

यूथ ओलंपिक में भारत को तीसरा मेडल

राजकुमारी लंचेनबी चानू का वुशु में ऐतिहासिक कारनामा



डकार (सेनेगल)। भारतीय वुशु खिलाड़ी राजकुमारी लंचेनबी चानू ने मंगलवार को यहां यूथ ओलंपिक 2026 की महिला चांगक्वान संयुक्त स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। वह वुशु में इस प्रतियोगिता का पदक हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं। मणिपुर की रहने वाली चानू ने कुल 18.039 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस इवेंट में मिस्र की सोंडोस सोनबोल ने 18.660 अंक के साथ गोल्ड जबकि वेनेजुएला की वालेरिया फ्रैनरीस डुडामेल ने 18.199 अंक के साथ सिल्वर मेडल जीता। भारतीय खिलाड़ी ने चांगक्वान स्पर्धा में 9.316 अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि गुनशु स्पर्धा में 8.723 अंक के साथ वह तीसरे स्थान पर रहीं। डकार युवा ओलंपिक में भारत अब तक एक रजत और दो ब्रॉन्ज मेडल जीत चुका है। इससे पहले सोमवार को युवा खिलाड़ी खुशबू राजकभाई ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना अभियान समाप्त किया था। वह युवा ओलंपिक में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय जुडोका बनी थीं। वहीं तैराकी की उभरती खिलाड़ी धिनिधि देसिंघु ने भी शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए महिला 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया

अखाड़े में दिखा दमखम - हैदर अली बने जबलपुर किशोर तो अंशुमन ने जीता जबलपुर कुमार का खिताब





जबलपुर,यशभारत। जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय भारतीय शैली कुश्ती प्रतियोगिता का समापन शिवाजी नगर मांडवा, रामपुर में हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न अखाड़ों के पहलवानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपने दमदार दांव-पेंच से दर्शकों को रोमांचित किया। प्रतियोगिता में हैदर अली पहलवान ने जबलपुर किशोर, अंशुमन धनगर (लक्की) ने जबलपुर कुमार का खिताब अपने नाम किया, जबकि आदित्य पहलवान को वीर अभिमन्यु की उपाधि से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के उपाध्यक्ष अर्जुन यादव, मध्यप्रदेश भारतीय शैली कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष विनोद कछवाहा, जिला भारतीय शैली कुश्ती संघ के अध्यक्ष किशोरी लोधी, समाजसेवी राजाराम पटेल, धनगर समाज के प्रदेशाध्यक्ष अनिल धनगर, एडवोकेट हीरा पह. एवं समाजसेवी हाजी रहमान सहित खेमचंद धनगर उपस्थित रहे। अतिथियों ने पहलवानों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय पारंपरिक कुश्ती को बढ़ावा देने और नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने पर जोर दिया।

इन पहलवानों ने मारी बाजी

प्रतियोगिता के विभिन्न भारवर्गों के फाइनल मुकाबलों में 36 किलोग्राम भारवर्ग में प्रथम स्थान अभय पहलवान (आदित्य अखाड़ा), द्वितीय आयुष पहलवान (युवा भवन) और तृतीय गौरव पहलवान (मथुरा उस्ताद) ने प्राप्त किया। 40 किलोग्राम भारवर्ग में आदित्य पहलवान (पंचायती अखाड़ा) प्रथम, सूर्य पहलवान (साईं सेंटर) द्वितीय और मयंक पहलवान (आदित्य अखाड़ा) तृतीय रहे। 44 किलोग्राम भारवर्ग में साहिल पहलवान (युवा भवन) ने पहला, सत्यम पहलवान (आदित्य अखाड़ा) ने दूसरा और शिवा पहलवान (दीनानाथ अखाड़ा) ने तीसरा स्थान हासिल किया। इसी तरह 48 किलोग्राम भारवर्ग में राम पहलवान (गरीबदास उस्ताद अखाड़ा) प्रथम, साहिल पहलवान (पंचायती अखाड़ा) द्वितीय और चिरंजीत पहलवान (साईं सेंटर) तृतीय रहे। 51 किलोग्राम भारवर्ग में कमलजीत पहलवान (साईं सेंटर) ने प्रथम, हिमांशु पहलवान (आदित्य अखाड़ा) ने द्वितीय और निहाल पहलवान (साईं सेंटर) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवानों को वीर अभिमन्यु की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं हैदर अली पहलवान (बहादुर उस्ताद) को जबलपुर किशोर का खिताब मिला। इस वर्ग में दीपक पहलवान (यूटीवी) द्वितीय और लखन पहलवान (गरीबदास उस्ताद) तृतीय रहे। जबलपुर कुमार की उपाधि अंशुमन पहलवान (लक्की), पंचायती अखाड़ा ने हासिल की। चेतन पहलवान (गंगाप्रसाद उस्ताद) द्वितीय और विशाल पहलवान (बुद्धेगोंड उस्ताद) तृतीय स्थान पर रहे। मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका देवेंद्र उपाध्याय, विनय प्रजापति, राकेश यादव, चंदन चक्रवर्ती और प्रवीण धनगर ने निभाई। कार्यक्रम का संचालन अरुण चंद्रवंशी ने किया। अतिथियों ने विजेता पहलवानों को नगद राशि, गदा और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में मंतो पहलवान, आशीष बेन, दीपक रजक खलीफा, राजेश राजपूत, पवन चक्रवर्ती, सुरेश विश्वकर्मा, दुलीचंद यादव खलीफा, चंद्रपाल यादव, बंटू यादव, जुगल यादव, दिनेश यादव खलीफा और बलराज पासी सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

वीएनडी फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता

केवीएस वन एसटीसी और लियोनार्ड स्कूल ने दर्ज की शानदार जीत



जबलपुर,यशभारत। जिला फुटबॉल संघ द्वारा शिवाजी मैदान में आयोजित वीएनडी फाउंडेशन इंटर स्कूल फुटबॉल प्रतियोगिता में मंगलवार को दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहले मुकाबले में केवीएस वन एसटीसी ने लिटिल वर्ल्ड स्कूल को 3-0 से पराजित किया, जबकि दूसरे मुकाबले में लियोनार्ड स्कूल ने सेंट अलॉयसियस स्कूल, पॉलिपाथर को कड़े संघर्ष में 1-0 से हराकर तीन अंक अर्जित किए।

पहला मुकाबला लिटिल वर्ल्ड स्कूल और केवीएस वन एसटीसी के बीच खेला गया। मैच प्रारंभ होने से पूर्व मुख्य अतिथि नईदुनिया के संपादक उज्ज्वल शुक्ला एवं जिला फुटबॉल संघ की सचिव श्रीमती मृदुला देव का परिचय खिलाड़ियों से कराया गया। खेल शुरू होते ही केवीएस की टीम ने आक्रामक रुख अपनाते हुए गोल करने के प्रयास शुरू कर दिए, लेकिन खिलाड़ियों के बीच तालमेल की कमी के कारण शुरुआती प्रयास सफल नहीं हो सके। आखिरकार मैच के 19वें मिनट में केवीएस के अनुराग ने शानदार गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। लिटिल वर्ल्ड स्कूल ने बराबरी के लिए लगातार प्रयास किए, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। मध्यांतर तक केवीएस की टीम 1-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी केवीएस ने अपना दबदबा बनाए रखा। मैच के 40वें मिनट में अक्षत ने दूसरा गोल दागा, जबकि 55वें मिनट में एक और गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। निर्धारित समय समाप्त होने पर केवीएस वन एसटीसी ने 3-0 से शानदार जीत दर्ज की।

दिन का दूसरा मुकाबला लियोनार्ड स्कूल और सेंट अलॉयसियस स्कूल, पॉलिपाथर के बीच खेला गया। मैच के मुख्य अतिथि डॉ. सलोनी राज देव जैन एवं डॉ. अर्जित जैन रहे। दोनों टीमों ने शुरुआत से ही एक-दूसरे पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई। खिलाड़ियों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों के मजबूत रक्षात्मक खेल के चलते पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मध्यांतर तक मुकाबला गोलरहित बराबरी पर रहा। दूसरे हाफ में लियोनार्ड स्कूल ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए आक्रामक खेल दिखाया। इसका फायदा टीम को 57वें मिनट में मिला, जब रौनक ने व्यक्तिगत प्रयास से शानदार गोल कर लियोनार्ड स्कूल को 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त दिला दी। इसके बाद सेंट अलॉयसियस स्कूल ने बराबरी के लिए कई प्रयास किए, लेकिन लियोनार्ड के खिलाड़ियों ने विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया। अंततः संघर्षपूर्ण मुकाबले में लियोनार्ड स्कूल ने 1-0 से जीत हासिल कर पूरे तीन अंक अपने नाम किए।

रंग संसार



बेटे को पता चला कि मैं रावण की भूमिका में हूं तो वह हैरान रह गया: यश



मुंबई (यशभारत)। आगामी भव्य फिल्म रामायण में रावण की भूमिका निभा रहे अभिनेता यश ने फिल्म की तैयारियों और अपने परिवार से जुड़े एक बेहद दिलचस्प और भावुक किस्से को साझा किया। अभिनेता यश ने बताया कि जब उनके छोटे बेटे को इस बात की जानकारी मिली कि उनके पिता इस पौराणिक कहानी में भगवान राम की भूमिका निभाने के बजाय रावण का किरदार निभाने जा रहे हैं, तो वह काफी हैरान रह गया। एक छोटे बच्चे के लिए यह स्वीकार कर पाना काफी मुश्किल था कि उसके पिता किसी कहानी में मुख्य खलनायक या नकारात्मक भूमिका में हो सकते हैं। यश के अनुसार, उनके बेटे को यह तो अच्छी तरह पता है कि उसके पिता एक मशहूर अभिनेता हैं, लेकिन जब उसे रामायण की पूरी कथा और उसके पात्रों के बारे में बताया गया, तो उसने मासूमियत से अपने पिता से पूछा कि वे इतने बुरे इंसान का किरदार कैसे निभा सकते हैं? उसने अपने पिता से यहां तक कह दिया कि वे तो अच्छे इंसान हैं, फिर वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? बच्चे के इन मासूम सवालों का जवाब देने के लिए अभिनेता को उसे अपने पास बिठाकर काफी विस्तार से पूरी बात समझानी पड़ी। उन्होंने अपने बेटे को समझाया कि किसी भी महान कथा को सही और पूर्ण रूप से समझने के लिए उसके हर पहलू और हर किरदार को पर्दे पर दिखाना बहुत जरूरी होता है। उन्होंने अपने बेटे को सीख देते हुए कहा कि इस महान कहानी में भगवान राम ही वह मुख्य और सर्वश्रेष्ठ आदर्श हैं, जिनके बताए रास्ते पर हर इंसान को चलना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रावण भले ही कितना भी शक्तिशाली और प्रभावशाली क्यों न दिखाई दे।

कॅरियर के शुरुआत में इलियाना को लगता था कैमरे से डर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने दक्षिण भारतीय सिनेमा से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद में हिंदी सिनेमा में भी अपनी पहचान बनाई। फिल्म बर्फी में उनके सशक्त अभिनय ने उन्हें देश भर में घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। आज पर्दे पर अपनी खूबसूरती और अभिनय का जादू बिखेरने वाली इलियाना शुरुआत में कैमरे के सामने आने और मॉडलिंग करने से काफी घबराती थीं। इलियाना डिक्रूज के पिता रोनाल्डो डिक्रूज और मां समीरा डिक्रूज हैं। उनका परिवार मूल रूप से गोवा राज्य से संबंध रखता है। जब इलियाना लगभग 10 वर्ष की थीं, तब उनका पूरा परिवार गोवा में जाकर बस गया और वहीं उनकी प्रारंभिक शिक्षा पूरी हुई। बचपन के दिनों में उन्होंने कभी भी अभिनेत्री बनने का सपना नहीं देखा था। उनकी मॉडलिंग की दुनिया में प्रवेश की कहानी भी काफी दिलचस्प है। उनकी मां जिस स्थान पर कार्य करती थीं, वहां के एक प्रबंधक ने इलियाना को देखकर उनकी मां को उन्हें मॉडलिंग क्षेत्र में भेजने का सुझाव दिया। शुरुआत में इलियाना को कैमरे का सामना करने में काफी हिचकिचाहट होती थी। वर्ष 2003 में जब उनका पहला व्यावसायिक पोर्टफोलियो तैयार हुआ, तो उन्हें वह बिल्कुल पसंद नहीं आया था। हालांकि, धीरे-धीरे उन्होंने फैशन शो और विज्ञापनों में काम करना शुरू किया। मॉडलिंग के दौरान ही उन्हें 17 वर्ष की उम्र में वर्ष 2006 में प्रदर्शित तेलुगु फिल्म देवदासु में अभिनय करने का मौका मिला। इस पहली ही रोमांटिक फिल्म में उनके भानुमति के किरदार को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इस फिल्म के शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें दक्षिण भारतीय सिनेमा का प्रतिष्ठित फिल्मफेयर बेस्ट फीमेल डेब्यू पुरस्कार प्रदान किया गया। पहली ही फिल्म में मिले इस बड़े सम्मान ने उनके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा दिया। इसके बाद उन्होंने पोकीरी, जलसा, किक और जुलाई जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया और दक्षिण भारत की शीर्ष अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं। वर्ष 2012 में उन्होंने फिल्म बर्फी के माध्यम से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। इस फिल्म में 1970 के दशक की बंगाली लड़की का किरदार निभाना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें बॉलीवुड में भी बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके बाद उन्होंने रुस्तम, रेड, मैं तेरा हीरो और बादशाहो

ऑस्कर की रेस में शामिल हुई प्रियंका की वी वर हियर



मुंबई (यशभारत)। ग्लोबल अभिनेत्री और फिल्म निर्माता प्रियंका चोपड़ा जोनस के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है।अभिनेत्री द्वारा निर्मित भारतीय शॉर्ट फिल्म वी वर हियर विश्व के सबसे प्रतिष्ठित एकेडमी अवॉर्ड्स यानी ऑस्कर पुरस्कारों की दौड़ में शामिल होने के लिए आधिकारिक रूप से योग्य घोषित हो गई है। अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रियंका ने कहा कि यह फिल्म वर्तमान समय के एक अत्यंत प्रासंगिक और गंभीर विषय को बहुत ही अनोखे, मनोरंजक और नए दृष्टिकोण के साथ दर्शकों के सामने प्रस्तुत करती है। प्रियंका चोपड़ा जोनस इस बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म से कार्यकारी निर्माता के रूप में जुड़ी हुई हैं। यह फिल्म वास्तव में एक मॉक्यूमेंट्री शैली में बनाई गई काल्पनिक वृत्तचित्र कहानी है। इसकी पटकथा भारत के एक छोटे से शहर में रहने वाले तीन ऐसे बुजुर्ग व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समाज में तेजी से बढ़ते आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के प्रभाव और हस्तक्षेप का विरोध करने का एक अनोखा रास्ता चुनते हैं। एआई की तकनीक को रोकने और उसका विरोध दर्ज कराने के लिए वे तीनों बुजुर्ग खुद विभिन्न घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रूप धारण कर लेते हैं। यह बेतुका लेकिन विचारणीय विचार फिल्म को काफी मनोरंजक बनाता है। ऑस्कर की रेस में जगह बनाने से पहले इस शॉर्ट फिल्म ने दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में अपनी सफलता का परचम लहराया है। प्रसिद्ध पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में इस फिल्म ने बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट जैसे दो बड़े और मुख्य पुरस्कार अपने नाम किए थे। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को जीतने के बाद ही इस फिल्म के लिए ऑस्कर की प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। जानकारों का मानना है कि आधुनिक तकनीक और मानव जीवन के संघर्ष को इस तरह के व्यंग्यात्मक रूप में पेश करना ही इस फिल्म की सबसे बड़ी यूएसपी है।

सिद्धार्थ और कियारा के साथ वरुण ने शेयर की तस्वीर, लिखा आत्मीय संदेश



मुंबई (यशभारत)। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपने सह-कलाकार सिद्धार्थ मल्होत्रा और उनकी पत्नी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ अपनी हालिया मुलाकात की बेहद खूबसूरत तस्वीर साझा की है। साझा की गई इस तस्वीर में तीनों कलाकार काफी प्रसन्न मुद्रा में नजर आ रहे हैं, जहां पीछे कियारा एक मजाकिया अंदाज में पोज दे रही हैं और सिद्धार्थ अपनी पत्नी का ध्यान रखते दिखाई दे रहे हैं। इस तस्वीर के सामने आने के बाद लंबे समय से दोनों अभिनेताओं के बीच किसी भी प्रकार की व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता या आपसी मनमुटाव की चल रही तमाम अफवाहों और अटकलों पर पूरी तरह से विराम लग गया है। वरुण धवन ने इस तस्वीर को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा करते हुए एक बेहद आत्मीय संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा कि आपस में विचार-विमर्श या किसी बात पर बहस होना एक अलग विषय है, लेकिन उनके और उनके भाई समान मित्र सिद्धार्थ के बीच कभी भी कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं रही है। इसके साथ ही उन्होंने शानदार आतिथ्य और मेहमाननवाजी के लिए अपनी भाभी यानी कियारा आडवाणी का विशेष रूप से धन्यवाद भी व्यक्त किया। इस पोस्ट ने दोनों कलाकारों के प्रशंसकों का दिल जीत लिया है और सोशल मीडिया पर यह तस्वीर तेजी से प्रसारित हो रही है। गौरतलब है कि वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने वर्ष 2012 में प्रदर्शित करण जौहर की बहुचर्चित फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से एक साथ अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी अपना पहला कदम रखा था। अपनी पहली ही फिल्म से इन तीनों ही कलाकारों ने दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई और समय के साथ बॉलीवुड में खुद को स्थापित और सफल अभिनेताओं के रूप में साबित किया। यद्यपि उस पहली फिल्म के बाद वरुण और सिद्धार्थ ने किसी भी अन्य प्रोजेक्ट में एक साथ काम नहीं किया, लेकिन दोनों के बीच हमेशा एक सम्मानजनक और गहरा दोस्ताना रिश्ता कायम रहा है। वरुण धवन के कियारा आडवाणी के साथ भी बेहद अच्छे पेशेवर और व्यक्तिगत संबंध हैं। दोनों ने वर्ष 2022 में आई पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म जुग जुग जियो में मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं।

भोपाल में बीजेपी की लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा

अटल पथ से रोशनपुरा चौराहे तक निकला जनसैलाब, बुर्के में पहुंची मुस्लिम महिलाओं ने दिखाए मोदी जी कहीं नहीं जाएंगे के पोस्टर

भोपाल, यशभारत।

राजधानी भोपाल में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से निकाली गई लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा ने शहर का सियासी पारा पूरी तरह हाई कर दिया। टीटी नगर के प्लेटिनम प्लाजा स्थित अटल पथ से शुरू हुई यह पदयात्रा रोशनपुरा चौराहे तक पहुंची। इस भव्य आयोजन में केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने मुख्य रूप से शिरकत की और विपक्ष पर तीखे राजनीतिक प्रहार किए।



जेपी नड्डा और सीएम मोहन के तीखे तेवर

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन देश में लगातार अस्थिरता पैदा करने की साजिश रच रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग न्यायपालिका के फैसलों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, वे आज व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राहुल गांधी की राजनीति को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि वे सिर्फ आरोप लगाओ और भाग जाओ' की नीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और कर्नाटक में चुनाव प्रक्रिया को लेकर बेबुनियाद आरोप लगाए गए, लेकिन आज तक कोई सबूत पेश नहीं किया जा सका।

जेपी नड्डा और सीएम मोहन बोले- कांग्रेस विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को कर रही अस्थिर

तीन तलाक लिखे बैनर हटाने का अनूठा वाकया, छात्रों और थर्ड जेंडर समुदाय की भी रही जोरदार भागीदारी

यात्रा का खास आकर्षण: मुस्लिम महिलाओं और थर्ड जेंडर की सहभागिता



इस पदयात्रा में एक अलग ही नजारा देखने को मिला, जब बड़ी संख्या में बुर्का पहनी मुस्लिम महिलाएं हाथों में केंद्र सरकार के समर्थन में स्लोगन और कहीं नहीं जाएंगे मोदी जी के पोस्टर थामे नजर आईं। हालांकि, इस दौरान एक दिलचस्प वाकया तब सामने आया जब कुछ महिलाओं ने तीन तलाक लिखे बैनर लेने से साफ इनकार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने तुरंत उन बैनर को एक तरफ हटवा दिया। इसके अलावा, यात्रा में थर्ड जेंडर समुदाय के लोगों, युवाओं और विभिन्न कॉलेजों के स्टूडेंट्स ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ढोल-नगाड़ों और देशभक्ति गीतों के बीच तिरंगा थामे युवा झूमते नजर आए। बीजेपी ने भोपाल और नर्मदापुरम संभाग से इस महाअभियान में करीब एक लाख लोगों के पहुंचने का दावा किया है। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा और यातायात के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि शहरवासियों को वैकल्पिक मार्गों से सहूलियत मिल सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, सुरेश पचौरी, बीजेपी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य सहित कई दिग्गज नेता और स्थानीय विधायक इस आयोजन के गवाह बने।

अंधेरी सड़कों पर लाइट और चोरी के अनट्रेस मामले में कार्रवाई की मांग



सीपी ने झूलेलाल मार्केट में किया जनसंवाद, व्यापारियों ने उठाई सुरक्षा और ट्रैफिक की समस्या

भोपाल, यश भारत।

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने थाना गांधीनगर क्षेत्र के झूलेलाल मार्केट में नागरिकों और व्यापारियों से जनसंवाद किया। इस दौरान लोगों ने क्षेत्र की सुरक्षा यातायात और मूलभूत व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं।

व्यापारियों ने दीपावली के दौरान बाजार में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रमुख स्थानों पर बैरिकेडिंग कराने का सुझाव दिया ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। वहीं सुमित विहार निवासी एक नागरिक ने घर में नकाबपोश बदमाशों द्वारा की गई चोरी का मामला उठाते हुए बताया कि प्रकरण अब तक अनट्रेस है। उन्होंने जल्द कार्रवाई की मांग की। नागरिकों ने गांधीनगर थाना और आसाराम तिराहे के आसपास पर्याप्त स्ट्रीट लाइट नहीं होने से दुर्घटनाओं और आपराधिक घटनाओं की आशंका जताई। इसके अलावा थाने के बाहर सड़क पर ऑटो खड़े रहने से यातायात बाधित होने की समस्या भी सामने रखी। जनसंवाद में नागरिकों ने समस्याओं के निराकरण की मांग की।

नीलम पार्क में एक महीने से धरना जारी, दोबारा नियुक्ति की मांग

कफन पहनकर सड़क पर उतरे कोरोना वॉरियर्स, आयुष चिकित्सकों ने किया प्रदर्शन

भोपाल, यश भारत। कोरोना महामारी के दौरान प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सक अब अपनी दोबारा नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बुधवार को भोपाल के नीलम पार्क में धरने पर बैठे चिकित्सकों ने कफन पहनकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों का कहना है कि कोरोना की दूसरी लहर सहित महामारी के कठिन दौर में उन्होंने मरीजों की सेवा की और स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन महामारी का संकट कम होते ही उन्हें नौकरी से हटा दिया गया। अब लंबे समय से वे पुनर्नियुक्ति की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। चिकित्सकों का आरोप है कि पिछले एक महीने से धरना देने के बावजूद सरकार की ओर से उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने जल्द दोबारा नियुक्ति देने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।



मप्र पुलिस महकमे में फेरबदल: हैदराबाद प्रशिक्षण पर जाएंगे 14 आईपीएस, प्रमुख पदों पर नए अफसरों को कमान

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुचारू बनाए रखने के लिए गृह विभाग ने बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित 28वें मिड कॉरिअर ट्रेनिंग प्रोग्राम फेज-III में हिस्सा लेने के लिए 14 भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को कार्यमुक्त किया गया है। 20 नवंबर तक चलने वाले इस विशेष प्रशिक्षण के दौरान मैदानी स्तर पर कामकाज प्रभावित न हो, इसके लिए विभाग ने रवानगी से पूर्व ही वैकल्पिक कार्यभार व्यवस्था के तहत नए अफसरों को जिम्मेदारी सौंप दी है।

इन प्रमुख पदों पर की गई नई व्यवस्थाएं

शहडोल रेंज (डीआईजी): विवेक सिंह के स्थान पर शहडोल के पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवालको अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है।

नगरीय पुलिस भोपाल (अतिरिक्त पुलिस आयुक्त):शैलेंद्र सिंह चौहान की जगह मोनिका शुक्ला कार्यभार संभालेंगी।

मध्य प्रदेश पुलिस अकादमी भौंरी (उप निदेशक): रामजी श्रीवास्तव के स्थान पर राज्य पुलिस सेवा की अधिकारी श्मि पाण्डेय जिम्मेदारी संभालेंगी।

ग्वालियर (पुलिस अधीक्षक): धर्मवीर सिंह के स्थान पर 13वीं वाहिनी के सेनानी श्रुतकीर्ति सोमवंशी कमान संभालेंगे।

23वीं वाहिनी विसबल भोपाल (सेनानी): प्रमोद कुमार सिन्हा का प्रभार 25वीं वाहिनी के सेनानी नागेंद्र सिंह को दिया गया है।

भोपाल (डीसीपी जोन-2): विकास कुमार सहवाल की अनुपस्थिति में डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता यह कार्यभार संभालेंगे।

सात जिलों सहित इन इकाइयों में नए अफसरों को मिली कमान

प्रशिक्षण पर जाने वाले सात जिलों के पुलिस अधीक्षकों और अन्य इकाइयों के प्रमुखों के स्थान पर निम्नलिखित अधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है:

रायसेन: पुलिस अधीक्षक आशुतोष के स्थान पर रेल भोपाल के एसपी अंकित जायसवाल को कमान सौंपी गई है।

बड़वानी: पुलिस अधीक्षक पद्म विलोचन शुक्ला का प्रभार सेनानी विनोद कुमार सिंह को दिया गया है।

अटल पथ पर बीजेपी की रैली, डीईओ के लचीले आदेश ने बढ़ाई बच्चों-अभिभावकों की धड़कनें

टीटी नगर में 50 हजार लोगों की भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट के बीच कई स्कूलों ने खुद लिया छुट्टी का फैसला

राजधानी में सियासत और जाम

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज मंगलवार 4 नवंबर को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली और शक्ति प्रदर्शन का असर आम जनजीवन और स्कूली बच्चों पर साफ देखने को मिला। टीटी नगर स्थित अटल पथ क्षेत्र में आयोजित इस विशाल कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई दिग्गज नेताओं के शामिल होने के अनुमान के चलते प्रशासन ने सुरक्षा और ट्रैफिक के कड़े इंतजाम किए हैं। हालांकि, स्कूलों की टाइमिंग और अवकाश को लेकर जिला प्रशासन द्वारा कोई स्पष्ट और एकसमान आदेश जारी न करने के कारण स्कूलों और अभिभावकों के बीच सुबह-सुबह भारी असमंजस की स्थिति बनी रही।



प्रशासन ने छोड़ी जिम्मेदारी, स्कूलों ने खुद संभाला मोर्चा- जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आदेश में यह तो मान लिया गया था कि कार्यक्रम में 40 से 50 हजार से अधिक लोगों के जुटने से शहर के प्रमुख मार्ग विशेषकर रोशनपुरा, लिंक रोड नंबर 1 और 2, भदभदा, जवाहर चौक और पॉलिटेक्निक चौराहा प्रभावित हो सकते हैं। इसके बावजूद, शिक्षा विभाग ने शहरभर के सभी स्कूलों के लिए सीधे अवकाश की घोषणा करने के बजाय गेंद पूरी तरह स्कूल प्रबंधनों के पाले में डाल दी। विभाग ने स्कूलों को अपनी भौगोलिक स्थिति और बच्चों के रूट का आकलन कर खुद टाइमिंग बदलने या संचालन पर निर्णय लेने की छूट दी। इस विवेक आधारित प्रशासनिक निर्देश के बाद शहर के कई प्रमुख और बड़े निजी विद्यालयों ने बच्चों की सुरक्षा और संभावित जाम के खतरे को भांपते हुए खुद ही अवकाश घोषित कर दिया। वहीं, कई स्कूल खुले रहे, जिसके चलते अभिभावक सुबह-सुबह अपने बच्चों को लेकर पशोपेश में नजर आए।

सियासी सरगर्मी और ट्रैफिक डायवर्जन से आम लोग हलकान

सुबह से ही वीवीआईपी मूवमेंट और हजारों कार्यकर्ताओं के वाहनों के आगमन के कारण राजधानी के कई मुख्य मार्गों पर यातायात डायवर्जन लागू करना पड़ा। रैली स्थल के आसपास के इलाकों में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे सुबह ऑफिस जाने वाले लोगों और स्कूल बस चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक तरफ जहां राजनीतिक दलों के शक्ति प्रदर्शन से शहर की सड़कें पटी रहीं, वहीं दूसरी तरफ आम नागरिकों को रोजमर्रा की आवाजाही में ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा।

उठ रहे हैं सवाल

राजनीतिक आयोजनों और रैलियों के दौरान इस तरह के लचीले प्रशासनिक आदेशों पर अब सवाल उठने लगे हैं। जानकारों का मानना है कि यदि शहर के बड़े हिस्से में यातायात ठप होने की पूरी संभावना थी, तो जिला प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए थे, ताकि बच्चों और अभिभावकों को अंतिम समय में होने वाली मानसिक परेशानी से बचाया जा सके। फिलहाल, अधिकांश स्कूलों ने हालात को देखते हुए अपने स्तर पर स्थिति संभाल ली है, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर वीवीआईपी आयोजनों और आम जनजीवन की प्राथमिकताओं पर बहस छेड़ दी है।

ऐशबाग में घर के पास से होंडा शाइन बाइक चोरी, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

भोपाल, यश भारत। राजधानी में वाहन चोरों के हौसले बुलंद हैं। ऐशबाग थाना क्षेत्र के दिलकुशा बाग में देर रात एक होंडा शाइन बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। चोरी की वारदात सनशाइन स्कूल और अली आटा चक्की के पास हुई। बाइक का नंबर एमपी 04यूएम 4188 बताया गया है। पीड़ित दानिश के अनुसार अज्ञात चोर देर रात बाइक लेकर फरार हो गया। घटना के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं जिनमें एक व्यक्ति बाइक ले जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पीड़ित ने फुटेज पुलिस को सौंपकर शिकायत दर्ज कराई है। शहर में लगातार बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं और चोरी गए वाहनों की बरामदगी नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। नागरिकों ने पुलिस से वाहन चोरों पर अंकुश लगाने और चोरी गए वाहनों की बरामदगी के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस की जांच जारी है।

राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग के बोर्ड में डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला चयनित मध्य प्रदेश के लिए गौरव का क्षण, दो वर्ष के लिए बने अंशकालिक सदस्य

भोपाल,यश भारत।

मध्य प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि डॉ. चंद्रेश कुमार शुक्ला का चयन राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग (एनडीसी) के एथिक्स एंड डेंटल रजिस्ट्रेशन बोर्ड में अंशकालिक सदस्य के रूप में हुआ है। भारत सरकार के केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोग और इसके तीन स्वायत्त बोर्डों के अंशकालिक सदस्यों का चयन ड्रॉ ऑफ लॉट्स (लॉटरी प्रक्रिया) के माध्यम से किया गया। इस चयन प्रक्रिया के तहत



डॉ. शुक्ला को आगामी दो वर्षों के लिए बोर्ड का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को मध्य प्रदेश के दंत चिकित्सा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर आयोग के बोर्ड में प्रदेश का प्रतिनिधित्व मिलने से दंत चिकित्सा शिक्षा, पेशेवर नैतिकता और दंत चिकित्सकों के पंजीकरण से जुड़े विषयों में प्रदेश की भागीदारी को मजबूती मिलेगी। डॉ. शुक्ला के चयन से चिकित्सा जगत में हर्ष का माहौल है।

भोपाल में हनीट्रैप का खेल: ब्लैकमेल कर कारोबारी से ऐंठे 40 लाख

अब 1.5 करोड़ की नई रंगदारी; तीन पर केस दर्ज

भोपाल, यशभारत।

राजधानी में अपराधियों और ब्लैकमेलर्स का एक नया और गंभीर मामला सामने आया है, जहाँ एक प्रतिष्ठित व्यवसायी को हनीट्रैप और दुष्कर्म के झूठे मामलों में फंसाने का डर दिखाकर 40 लाख रुपये वसूल लिए गए। पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर बागसेवनिया थाना पुलिस ने एक महिला, उसके पति और पिता सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी शिकंजा कस दिया है।

पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक, इस शातिर गिरोह ने पहले व्यवसायी को झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर नकद रकम ऐंठी और कागजी अनुबंध तैयार करवाए। इसके बाद एमपी नगर थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराकर दबाव बनाया गया। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और परिवार की गरिमा बचाने के लिए पीड़ित ने मध्यस्थता के जरिए 25 लाख रुपये 10 और 15 लाख के दो चेक देकर मामला रफा-दफा कराया और महिला ने अपनी शिकायत वापस ले ली। लेकिन लालच यहीं खत्म नहीं हुआ। कुछ समय बीतने के बाद आरोपियों ने फिर से संपर्क साधा और सीधे डेढ़ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि की मांग कर डाली।



कॉल रिकॉर्डिंग और व्हाट्सऐप चैट बने अहम सबूत-रकम देने से साफ इनकार करने पर आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट जैसे गंभीर मामलों में फंसाने के साथ-साथ जान से मारने की धमकियां देनी शुरू कर दीं। तंग आकर व्यवसायी ने इन तमाम धमकियों से जुड़े पुख्ता साक्ष्य कॉल रिकॉर्डिंग और व्हाट्सऐप चैट पुलिस को सौंप दिए हैं, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश और आगे की वैधानिक कार्रवाई तेज कर दी है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)